door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 298 | गुवाहाटी | बुधवार, 29 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

चार जून के बाद भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई और तेज होगी : नरेन्द्र मोदी — पेज 2
ढेकियाजुली में स्कूल बस पर गिरा विशालकाय पेड़, कई बच्चे घायल — पेज 3
370 हटाने वाला ही वापस लाएगा पीओके : माधवी लता — पेज 5
वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम में प्रअ्रंहित नहीं कर सके सुमित नागर, पहले दौर में खाचनोव... — पेज 7

चक्रवात रेमल से गुवाहाटी में मची तबाही का मंजर। फोटो- दशरथ डेका।

पूर्वोत्तर में कहर बनकर बरपा रेमल

नई दिल्ली। खतरनाक चक्रवाती तूफान रेमल रविवार रात पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पहुंचा। इस दौरान खतरनाक तूफान ने भारी तबाही मचाई। न केवल पश्चिम बंगाल बल्कि, पूर्वोत्तर राज्यों में भी इसका कहर बरपा। मिजोरम, मणिपुण और असम में भी भारी बारिश होने से कई लोगों की मौत हुई है। इस भंयकर तूफान से पश्चिम बंगाल में जहां 10 लोगों की जान चली गई तो वहीं मिजोरम के एजल में पत्थर की खदान खिसकने की वजह से मलबे में दबकर कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा मंगलवार को असम में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। उधर लगातार भारी बारिश के कारण नगालैंड में चार लोगों की मौत, 40 से अधिक घरों को नुकसान हुआ है। वहीं मणिपुर के कई इलाकों में पानी भर गया, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। इंफाल पूर्वी जिले में एंड्रो पार्किंग, चेकोन, महाबली और वांगखेई में नालियों के जाम होने से जलभराव के कारण यातायात प्रभावित हुआ। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश में किसी के मरने या घायल होने की कोई खबर नहीं है। उधर मौसम विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। मुख्यमंत्री पेमा खांडु ने मंगलवार को राज्य के लोगों से सभी एहतियाती कदम उठाने और तूफान से प्रभावित क्षेत्रों से बचने का अनुरोध किया।

मिजोरम में भूस्खलन, 22 की मौत, कई लापता

एजल (एजे/हि.स.)। मिजोरम में रेमल चक्रवात के प्रभाव के चलते मूसलाधार बारिश और भूस्खलनों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के बीच एजल में मंगलवार सुबह पत्थर की खदान ढह जाने से दो बच्चों सहित 17 लोगों की मौत हो गई। छह-सात अन्य लापता हो गए। घटनास्थल से दो लोगों को बचाया गया है। इस दुर्घटना शोक जताते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पर पोस्ट किया कि शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। मिजोरम के पुलिस महानिदेशक अनिल शुक्ला ने कहा कि हमने 17 शव बरामद किए हैं। आशंका है कि छह-सात और लोग अभी भी मलबे में दबे हैं। भारी बारिश के कारण बचाव कार्य प्रभावित हो रहा है। पुलिस ने बताया कि बारिश से राज्य में कई अन्य स्थानों पर भी भूस्खलन हुआ है। एजल के सेलम वेंग में भूस्खलन से इमारत ढह गई। इस घटना में तीन लोग लापता हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग छह पर भूस्खलन से एजल का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क कट गया है। सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। आवश्यक सेवाओं से संबंधित कर्मचारियों को छोड़कर सरकारी कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा गया है। एजल शहर में, कुछ कब्रिस्तान भी भूस्खलन से बह गए हैं। 150 से अधिक कब्रें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। राज्य के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने स्थिति का जायजा लेने के लिए गृह मंत्री के. सपडांगा, मुख्य सचिव रेनू शर्मा के साथ आपात बैठक की। मुख्यमंत्री ने बारिश के कारण हुई आपदाओं में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की। सरकार ने चक्रवात प्रभावित बारिश संबंधी आपदाओं से निपटने के लिए 15 करोड़ रुपए निर्धारित किए हैं। इससे पहले एजल के उपायुक्त नाजुक कुमार ने बताया कि जब तक मलबा -शेष पृष्ठ दो पर

नगालैंड में चार मरें, 40 से अधिक घरों को नुकसान

कोहिमा। रेमल चक्रवात के बाद से नागलैंड में भारी बारिश हो रही है। भारी बारिश के कारण राज्य में करीब चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, 40 से अधिक घरों को नुकसान पहुंचा है। बता दें, चक्रवाती तूफान रविवार रात को पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों से टकराया था। तूफान के कारण बंगाल-बांग्लादेश में सबसे अधिक नुकसान हुआ। वहीं, तूफान के कारण नगालैंड-ओडिशा में भी अलर्ट था। नगालैंड के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि चक्रवात के कारण भारी बारिश के बाद मेलुरी उपखंड में एक सात साल का बच्चा डूब गया। सोमवार को वोखा जिले के दोयांग बांध में दो लोग डूब गए। इसके अलावा, फेक जिले में दीवार गिरने से एक बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि नगालैंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनएसडीएमए) को राज्य भर से घरों और संपत्तियों को हुए नुकसान की रिपोर्ट मिली है। रिपोर्ट में मोकोकचुंग जिले का चुचुयिमलांग गांव, तुएनसांग जिले का नोक्सेन उपखंड और जुन्हेबोटो जिले के अवोत्साकिली गांव भीषण रूप से प्रभावित हैं। राहत-बचाव एनडीआरएफ भी मुस्तैद है। अधिकारी ने बताया कि राज्य के इतिहास में पहली बार खोज अभियान के लिए एनएसडीएमए ने एक अंडरवाटर ड्रोन की मदद भी ली। लगातार बारिश के कारण मंगलवार को फेक जिले के किकरूमा गांव में भूस्खलन भी हुआ। उधर -शेष पृष्ठ दो पर

चक्रवात ने असम में भी मचाई तबाही

भारी बारिश से दो की मौत और 17 घायल आईएमडी ने जारी की चेतावनी

गुवाहाटी/नई दिल्ली। चक्रवाती तूफान रेमल ने पश्चिम बंगाल के साथ पूर्वोत्तर के भी कई राज्यों में भारी तबाही मचाई। असम में तूफान के चलते तेज हवाओं और भारी बारिश से दो लोगों की मौत हो गई एवं 17 अन्य लोग घायल हो गए। राज्य के अधिकारियों ने बताया कि लखीमपुर जिले के गेरूकामुख में निर्माणाधीन लोअर सुबनसिरी जलविद्युत परियोजना में लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में पुतुल गोगोई नाम के एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं एक अन्य घटना में मोरीगांव जिले के दिघलबोरी में ऑटो-रिक्शा पर एक पेड़ गिरने से 17 वर्षीय कॉलेज छात्र की मौत हो गई। मृतक छात्र की पहचान पहचान कौशिक बरदलै एम्फी के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक रिक्शा में चार अन्य व्यक्ति भी थे जो घायल हो गए। इसके अलावा शोणितपुर जिले के ढेकियाजुली में एक स्कूल बस पर एक पेड़ गिर गया, जिसकी वजह से 12 बच्चे घायल हो गए। उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं कामरूप जिले के पलाशबाड़ी इलाके में एक व्यक्ति गिरते पेड़ से बचने की कोशिश में घायल हो गया। खराब मौसम को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैंने अधिकारियों को जल्द से जल्द आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने का निर्देश दिया है। नागरिकों से अनुरोध है कि जब तक कोई आपात स्थिति न हो, वे बाहर न निकलें और सुरक्षित रहें। हम स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने चक्रवात से हुए नुकसान का लिया जायजा, राहत के दिए निर्देश

गुवाहाटी (हि.स.)। बंगाल की खाड़ी के उत्तर से असम और पूर्वोत्तर में चक्रवात रेमल का व्यापक प्रभाव देखने को मिला। भारी बारिश और तेज हवाओं से दो दिन से राज्य में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने ओडिशा से स्थिति का आकलन करने के लिए राज्य के मुख्य सचिव से बात की और राहत, पुनर्वास और एहतियाती उपायों की कड़ी निगरानी का निर्देश दिया। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ शर्मा इस समय ओडिशा में हैं। उन्होंने वहीं से चक्रवात के प्रभाव का जायजा लिया और प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए राज्य के मुख्य सचिव से बात की। साथ ही उन्होंने नुकसान की रिपोर्ट भी मांगी है। मुख्यमंत्री ने मोरीगांव जिले के धूपगुड़ी क्षेत्र के एक छात्र कौशिक एम्फी की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। तूफान के दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

रेमल के असर से गुवाहाटी का जनजीवन अस्त-व्यस्त

गुवाहाटी (हि.स.)। बंगाल की खाड़ी में बना साल का पहला चक्रवाती रेमल तूफान के असर से पूरे राज्य के साथ गुवाहाटी में बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। सोमवार की रात से लगातार बारिश और तेज हवाओं ने मंगलवार को सामान्य जनजीवन अस्त्र-व्यस्त कर दिया। तेज हवा और मूसलाधार बरसात के कारण गुवाहाटी के कई जगह पर बड़े-बड़े पेड़ गिर पड़े। साथ ही बिजली के खंभों के गिरने से बिजली व्यवस्था भी पूरे दिनभर बाधित रही। पेड़ों के गिरने से अनेक जगह पर यातायात ठप हो गया। चक्रवात का प्रभाव पूरे गुवाहाटी में महसूस किया गया है। जिससे बिजली सेवाएं प्रभावित हुई हैं और रेल सेवाएं भी बाधित हुई। पेड़ के गिरने के कारण गुवाहाटी की कई सड़के अवरुद्ध हुई। आपदा प्रबंधन दल, एसडीआरएफ, यातायातात पुलिस तुरंत सड़कों

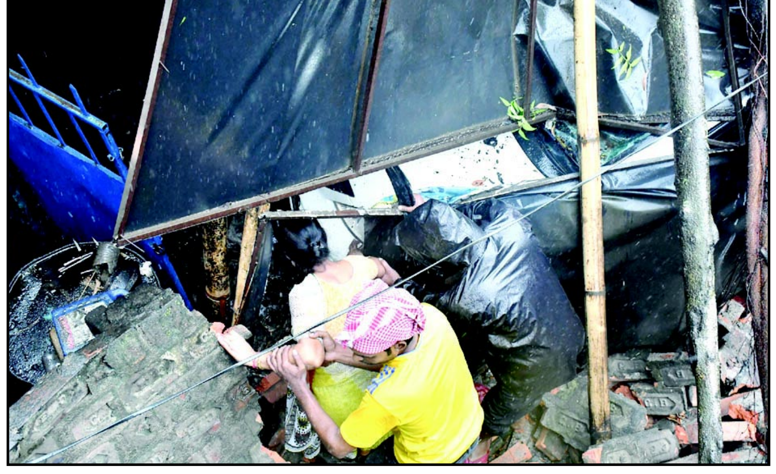

को साफ करने में जुट गए। तूफान के कारण बड़े पैमाने पर बिजली की कटौती हुई। तेज हवाओं के चलते और भारी बरसात के कारण बिजली लाइनों को काफी नुकसान पहुंचा है। जिससे कई इलाके अंधेरे में है। बिजली सेवाएं बहाल करने के प्रयास जारी है। लेकिन मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण इसमें बाधा रही है। बिजली के बिना जनजीवन भी अस्त व्यस्त हो गया है साथ में इंटरनेट सेवा भी पूरे दिन भर बाधित रही। सोमवार रात से मंगलवार पूरे दिन लगातार बरसात के कारण गुवाहाटी के कई इलाकों में भारी जल भराव के कारण सड़कें पानी में डूबा रहीं। जिस कारण लोगों को चलने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई जगह पर होर्डिंग टूट कर गिर गए हैं। भरलुमुख में एक विशाल पेड़ गिरने के कारण सड़क अवरुद्ध -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

चार जून के बाद भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई और तेज होगी : नरेन्द्र मोदी

दुमका (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को दुमका में भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए सबसे पहले सिद्धो कान्हों और चांद भैरव जैसे वीर शहीदों को नमन किया। साथ ही कहा कि ये वीर शहीदों की धरती है। यहां पर उमड़ा जनसैलाब ये बताता है कि हमारी सरकार एक बार फिर आ रही है। मोदी ने झामुमो-कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि ये सभी पार्टियां फिर से सत्ता आना चाहती हैं ताकि घोटाला कर सकें। आज झारखंड को ये सभी पार्टियां लूटने में लगी हैं। आज यहां के चर्चे खूबसूरत पहाड़ों की वजह से नहीं, बल्कि नोटों के पहाड़ से हो रही है। उन्होंने कहा कि चार जून के बाद भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई और तेज होगी। वर्ष 2014 में मोदी को आप लोगों ने आशीर्वाद दिया था तब पूरा देश कांग्रेस के कुशासन से तंग आ चुका था। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में एक जून को राज्य के संताल परगना की तीन संसदीय सीटों गोड्डा, दुमका और राजमहल में मतदान होना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि झामुमो वालों ने जमीन हड़पने के लिए अपने माता-पिता का नाम बदल दिया। अब गरीबों और आदिवासियों की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। इन लोगों ने तो सेना की जमीन को भी नहीं छोड़ा। अब आपको इन लोगों से झारखंड को मुक्ति दिलानी ही होगी। आज झामुमो और कांग्रेस वालों के यहां नोटों के पहाड़ पकड़े जा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या आप जानते हैं, ये पैसा कहां से आ रहा है? ये पैसा आ रहा है शराब के घोटाले से। ये पैसा आ रहा है करोड़ों रुपए के टेंडर के घोटाले से। ये पैसा आ रहा है खान-खनिज-खनन घोटाले से। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस-झामुमो धमकी देते हैं कि मोदी को हटाना है। क्योंकि, वो फिर से घोटाले कर सकें। आप इंडी गठबंधन को गरीबों को हक लूटने देंगे क्या? ये लोग झारखंड को हर तरफ से लूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन्हें पहले की सरकारों ने पूछा तक नहीं उन्हें मोदी ने पूजा है। हमने गरीबों का जीवन बदला है, जो काम दस साल में हुआ अब अगले पांच साल उसे और आगे बढ़ाना है। अगले पांच सालों में तीन करोड़ माताओं-बहनों को लखपति दीदी बनाने का संकल्प है। सरकार बनने के बाद तीन करोड़ और मकान बनवाऊंगा। मोदी ने इंडिया गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि जहां-जहां ये लोग सत्ता में आए, आदिवासी समाज और उनकी संस्कृति खतरे में पड़ गई। इन्हें आदिवासी समाज के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। क्योंकि, इनके लिए सिर्फ वोट बैंक जरूरी है। नक्सलवाद, घुसपैठ और तुष्टीकरण इनके हथियार हैं। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन की देशविरोधी राजनीति का एक खतरनाक फॉर्मूला सांप्रदायिक राजनीति करना, तुष्टीकरण की राजनीति करना, अलगाववादियों को संरक्षण देना और आतंकवादियों का बचाव करके उसका विरोध करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इंडी जमात वाले धर्म के आधार पर मुसलमानों को आरक्षण देते हैं। उन्होंने कहा कि यदि मैं एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण की रक्षा करने की बात करता हूं तो इन्हें मिर्ची लग जाती है। यदि उन पर हिन्दू-मुसलमान करने का आरोप लगा दो तो इन्हें मिर्ची लग जाती है। उल्टा वे मुझे कहते हैं कि मैं हिन्दू-मुसलमान कर रहा हूं। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, दुमका से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन और भाजपा विधायक दल के नेता अमर कुमार बाउरी सहित अन्य उपस्थित थे।

देशभर में लगातार गिर रहा है भाजपा का ग्राफ : खड़गे

अमृतसर (हि.स.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोकसभा चुनाव के लिए दिए गए चार सौ पार के नारे को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि भाजपा इस बार दो सौ सीट भी पार नहीं करेगी। खड़गे ने पंजाब दौरे पर मंगलवार को अमृतसर में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और फरीदकोट में उन्होंने एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। खड़गे ने कहा कि गृहमंत्री के नौकरी जाने वाले बयान पर कहा कि 4 जून के बाद भाजपा के पद खाली होने वाले हैं और वह कांग्रेस को ही मिलेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना में कहीं नहीं है। कर्नाटक में इनका अस्तित्व 50-50 है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल तथा उड़ीसा में भाजपा कमजोर है। खड़गे ने कहा कि आज भाजपा की सीटें घट रही हैं और कांग्रेस की बढ़ रही हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने प्रधानमंत्री की तरफ से आएदिन दिए जा रहे बयानों का भी खंडन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा उनकी पार्टी के मेनिफेस्टो को सिर्फ मुस्लिमों का बता रही है, लेकिन असल बात है कि वे कांग्रेस का मेनिफेस्टो पढ़े बिना ही बयान दे देते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध भी किया था कि वे व्यक्ति भेज देते हैं, जो कांग्रेस का मेनिफेस्टो पढ़ उन्हें सुना दें ताकि उन्हें समझ आ सके कि कांग्रेस का मेनिफेस्टो देश के हित में है।

सड़क दुर्घटना में तीन घायल

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के कृष्णाई इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में एक बच्चा समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस में सोमवार को बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर कार (एएस-01बीएल-8667) और ई-रिक्शा के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में ई-रिक्शा का चालक, एक महिला और एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया।

अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

शोणितपुर (हिंस)। जामगुड़ीहाट के ईटाखोला इलाके में एक वृद्ध व्यक्ति का शव देखे जाने के बाद स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने सोमवार को बताया कि बीती रात ईटाखोला इलाके में स्थित मस्जिद के पीछे वृद्ध व्यक्ति का शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति का शो अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। शव

पीएम मोदी ने कोलकाता में किया मेगा रोड शो, टीएमसी पर साधा जमकर निशाना

कोलकाता। देश में सातवें चरण का चुनाव अंतिम दौर में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मंगलवार को पश्चिम बंगाल के दौरे पर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने कोलकाता में रोड शो किया है। पीएम मोदी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद हैं। कोलकाता में रोड शो से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री सारदा मायेर बाड़ी मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की। मोदी ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने और *वोट जिहाद* को बढ़ावा देने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के युवाओं के अधिकार छीनने का आरोप लगाया। बारासात में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम लिए बिना कलकत्ता हाईकोर्ट के जजों पर सवाल उठाने के लिए उनकी आलोचना की और आश्चर्य जताते हुए कहा कि क्या तृणमूल कांग्रेस प्रतिकूल फैसलों के बाद अब न्यायधीशों के पीछे भी *अपने गुंडे* छोड़ देगी? उन्होंने कहा कि बंगाल में तृणमूल ने ओबीसी को जो धोखा दिया, उसकी पोल अदालत ने खोल दी है। भ्रष्टाचार से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि *न खाऊंगा, न खाने दूंगा* के अपने संकल्प के बाद उनकी नई गारंटी है कि जिसने खाया है, उससे बाहर निकालूंगा और जिसका खाया है, उसको लौटाऊंगा। प्रधानमंत्री ने रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के कुछ संन्यासियों के खिलाफ बनर्जी की हालिया टिप्पणियों पर भी रोष जताया और आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के वोट बैंक के तुष्टीकरण के लिए इन सामाजिक-धार्मिक संगठनों को धमकाया जा रहा है।

सांसद हत्याकांड मामला संदिग्ध हत्यारों के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी

कोलकाता (हि.स.)। बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या के चार संदिग्धों के खिलाफ पश्चिम बंगाल सीआईडी ने लुक आउट नोटिस जारी किया है। इनमें सांसद के बचपन के दोस्त अख्तरुज्जमां भी शामिल हैं। सीआईडी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस जांच के लिए बांग्लादेश के खुफिया प्रमुख हारून रशीद कोलकाता आए हैं। मंगलवार को उन्होंने पत्रकारों से कहा कि बांग्लादेश के खुफिया विभाग का मुख्य लक्ष्य अजीम का शव ढूंढना है। उन्होंने सीआईडी से शरीर के अंगों को पाने के लिए कुछ और स्थानों की तलाश करने का अनुरोध किया। उन्होंने न्यू टाउन के उन फ्लैटों के सेप्टिक टैंक की भी तलाशी करने का अनुरोध किया, जहां कचरा गिरता है।

छठे चरण में 63.37 प्रतिशत मतदान अबतक 66 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने छठे चरण के मतदान के आंकड़े जारी किए हैं। आयोग का कहना है कि इस चरण में 58 सीटों पर 63.37 प्रतिशत मतदान हुआ है। पादर्शिता बनाने के लिए आयोग ने कुल मतों की भी जानकारी साझा की है। इसके साथ ही छह चरणों में अबतक 486 सीटों पर 66 प्रतिशत मतदान हुआ है। विपक्षी दलों विशेषकर कांग्रेस के आरोपों के बीच हाल ही में चुनाव आयोग ने पांच चरणों में मतदान संख्या की सटीक जानकारी साझा की थी। आयोग ने आज कहा कि 25 मई के दो प्रेस नोटों की निरंतरता में चल रहे आम चुनाव 2024 में 58 पीसी के लिए चरण-6 में 63.37 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। आयोग के आंकड़ों के अनुसार छठे चरण में बिहार में 8 सीटों पर 57.18, हरियाणा में 10 सीटों पर 64.80, जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर 55.40, दिल्ली की सात सीटों पर 58.69 प्रतिशत, ओडिशा की 6 सीटों पर 74.45, उत्तर प्रदेश में 14 सीटों पर 54.04 और पश्चिम बंगाल की 8 सीटों पर 82.71 प्रतिशत मतदान हुआ है। यानी देश के आठ राज्यों की 58 सीटों पर 63.37 प्रतिशत मतदान हुआ । छठे चरण में 11,13,16,606 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें से कुल 7,05,44,933 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इसके अलावा आयोग ने यह भी बताया है कि अगले यानी सातवें चरण में किस सीट पर कितने मतदाता हैं। आयोग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार छठे चरण तक 486 सीटों पर 87,53,96,943 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें से 57,78,42,221 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया है। यानी पिछले छह चरणों में 66 प्रतिशत मतदान हुआ है। आयोग का कहना है कि फॉर्म 17 सी का वास्तविक डेटा मान्य माना जाता है।

पापुआ न्यू गिनी ने संयुक्त राष्ट्र में कहा-

भूस्खलन में 2,000 से अधिक लोग जिंदा दफन

मेलबर्न (हि.स.)। संयुक्त राष्ट्र को पापुआ न्यू गिनी की सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले शुक्रवार को हुए भूस्खलन में 2,000 से अधिक लोग जिंदा दफन हो गए हैं। अधिकारी ने औपचारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय मदद भी मांगी है। सरकार का यह आंकड़ा दक्षिण प्रशांत द्वीपीय देश के पहाड़ी अंदरूनी इलाकों में भूस्खलन से मारे गए 670 लोगों के संयुक्त राष्ट्र के अनुमान का लगभग तीन गुना है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि सोमवार तक केवल पांच लोगों के शव बरामद किए गए थे। यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस हादसे में छह लोगों की मौत होने के रविवार के आंकड़े को संशोधित क्यों किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय समन्वयक को रविवार को लिखा गया एक पत्र एसोसिएटेड प्रेस द्वारा देखा गया है। इसमें, देश के राष्ट्रीय आपदा केंद्र के कार्यवाहक निदेशक, लुसेटा लासो माना ने कहा कि भूस्खलन में 2,000 से अधिक लोग जिंदा दफन हो गऐ और एंगा प्रांत के यमबली में गांव में बड़ी तबाही हुई है। आपदा के बाद से हताहतों की संख्या का अनुमान व्यापक रूप से परिवर्तित हुआ है और यह तत्काल स्पष्ट नहीं है कि अधिकारी प्रभावितों की संख्या पर कैसे पहुंचे। पापुआ न्यू गिनी के साथ नजदीकी तौर पर काम कर रहे अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने देश में बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन से 670 लोगों की मौत होने की आशंका जताई थी। आईओएम ने भूस्खलन में 670 लोगों की मौत होने का अपना अनुमान अभी बदला नहीं है।

छत्तीसगढ़ में आईईडी ब्लास्ट 15 नक्सली गिरफ्तार

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में एक आईईडी विस्फोट के बाद पंद्रह नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से सात महिलाएं हैं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रविवार को जब सुरक्षा बल तलाशी अभियान पर थे तब नक्सलियों ने विस्फोट किया, लेकिन कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि रविवार को जब सुरक्षा बल तलाशी अभियान पर थे तब नक्सलियों ने विस्फोट किया है। इस हादसे में अब तक कोई घायल नहीं हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि गिरफ्तार किए गए अधिकांश कैडर प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के फ्रंटल संगठनों में सक्रिय थे। अधिकारी ने बताया कि गश्ती दल ने शनिवार को गुमलनार और मुस्तलनार गांवों के जंगल में अभियान शुरू किया था और रविवार शाम करीब साढ़े चार बजे नक्सलियों ने सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने के लिए इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट किया। उन्होंने बताया कि विस्फोट में सुरक्षाकर्मियों को कोई नुकसान नहीं हुआ।

आईएनडीआईए की सरकार बनने पर अग्निवीर योजना को करेंगे खत्म : राहुल

वाराणसी (हि.स.)। विपक्षी दलों के गठबंधन आईएनडीआईए की जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि चार जून को आईएनडीआए की सरकार बनेगी। सरकार बनने पर हम अग्निवीर योजना को खत्म कर देंगे। बीस लाख युवाओं को पक्की नौकरी देंगे। राहुल गांधी वाराणसी से आईएनडीआईए के उम्मीदवार एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के समर्थन में मोहनसराय गंगापुर में आयोजित परिवर्तन संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। सपा मुखिया अखिलेश यादव की मौजूदगी में राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पान वालों पर जीएसटी लगा देते हैं। मोदी ने 16 लाख करोड़ रुपए अरबपतियों के माफ कर दिए। कुछ दिनों पहले एक अमीर घर के लड़के ने पूना में करोड़ों की गाड़ी से दो लोगों की हत्या कर दी। कोर्ट ने उससे कहा कि 300 शब्दों का निबंध लिखो। बनारस में ऐसा होता तो कोर्ट क्यों नहीं कहता। ऑटो, बस, किसी स्कूटर वाले से ऐसा हो जाए तो उससे निबंध लिखने को कहा जाएगा क्या? ये है मोदी का हिंदुस्तान। राहुल गांधी ने दावा किया कि वाराणसी सीट पर अजय राय चुनाव जीत रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब हम हिंदुस्तान की गरीब जनता को लाखों-करोड़ों रुपए उनके बैंक खातों में डालने जा रहे हैं। हिंदुस्तान के गरीब परिवारों की लिस्ट तैयार होगी। हर परिवार से एक महिला का नाम चुना जाएगा। काशी से एक लाख लोगों के नाम इस लिस्ट में आएंगे। जिनकी जमीन छीनी गई है, उनके नाम भी इस लिस्ट में आएंगे। जिन पर गलत जीएसटी लगाई गई है, उन परिवारों के नाम भी इस लिस्ट में आएंगे। बेरोजगार युवाओं के परिवार के नाम भी इस लिस्ट में आएंगे। उन्होंने कहा कि पांच जुलाई को आप अपना बैंक अकाउंट सुबह देखेंगे, इंडिया की सरकार आपके खाते में 8500 रुपए खटाक से डाल देगी। हर महीने लाखों करोड़ रुपए हम आपको खटाखट देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सेना का और देश के युवाओं का अपमान किया है। पहली बार उन्होंने जवानों को मजदूर बनाया।

Report on Missing

The above is the photograph of missing Abdul Sufan Laskar, age- 45 yrs. H/O - Forida Begum Laskar, Vill- Mohonpur Grant, P.S. : Algapur, Dist: Hailakandi, who has been missing since 08.04.2024. This refers to Mohonpur PP GDE No. 152/24 dated 09.04.2024

Descriptive roll of missing Abdul Sufian Laskar is given below: -

a) Height - 5 ft 03 inches.
b) Complexion - Fair
c) Built - Swarthy.
d) Hair - Black
e) Face - Round-shaped.
f) Languape spoken - Bengali.
g) Wearing Apparel - White Colour Punjabi

Kindly take necessary action to trace out/ rescue the above noted missing/kidnapped victim at the earliest and result thereof may be intimated to the O/C. Algapur P.S. at Mobile No. **6026900624/ 6001909682** for further needful action.

-- Janasanyog /D/1017 /24/29-May-24

Superintendent of Police, Hailakandi

चक्रवात रेमल के कारण रद्द की गई ट्रेनें बहाल

गुवाहाटी (हिंस)। ट्रेन संख्या 05637 (नाहरलगुन- सिलचर) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 15704 (बंगाईगांव- न्यू जलपाईगुड़ी) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 07514 (बामनहाट- सिलीगुड़ी जंक्शन) डेमू, ट्रेन संख्या 05687 (दुल्लभछड़ा-सिलचर) पैसेंजर, ट्रेन संख्या 05660 (वंगाईचुंगपाऊ-सिलचर) पैसेंजर और ट्रेन संख्या 05568 (भैरबी- सिलचर) पैसेंजर ट्रेनों को छोड़कर 28 मई को रेमल चक्रवात के कारण जो ट्रेनें पहले रद्द की गई थी, उन ट्रेनों को बहाल कर दिया गया है।

प्रचार खत्म होने के बाद रॉक मेमोरियल में ध्यान लगाएंगे पीएम

नई दिल्ली/चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मई को लोकसभा चुनाव प्रचार के समाप्त होने के बाद कन्याकुमारी का दौरा करेंगे। यहां वे स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाए गए स्मारक रॉक मेमोरियल में ध्यान लगाएंगे। भाजपा नेताओं ने मंगलवार को बताया कि वह 30 मई की शाम से 1 जून की शाम तक ध्यान मंडपम में ध्यान करेंगे। माना जाता है कि यहां विवेकानंद को *भारत माता* के बारे में दिव्य दृष्टि प्राप्त हुई थी। प्रधानमंत्री ने 2019 के चुनाव अभियान के बाद केदारनाथ गुफा में इसी तरह का ध्यान लगाया था। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि अपने आध्यात्मिक प्रवास के लिए कन्याकुमारी में स्थान चुनने का पीएम मोदी का फैसला देश के लिए विवेकानंद के दृष्टिकोण को साकार करने की उनकी प्रतिबद्धता को दिखाता है। देश में आखिरी चरण का मतदान 1 जून को होना है। चुनाव के लिए प्रचार अभियान चुनाव से दो दिन पहले समाप्त हो जाता है। नतीजे चार जून को आएंगे। उन्होंने बताया कि जिस चट्टान पर प्रधानमंत्री ध्यान करेंगे, उसका विवेकानंद के जीवन पर बड़ा प्रभाव था और यह भिक्षु के जीवन में गौतम बुद्ध के लिए सारनाथ के समान ही महत्व रखता है। पूरे देश में घूमने के बाद विवेकानन्द यहीं पहुंचे थे और तीन दिनों तक ध्यान किया था। उन्होंने यहां विकसित भारत का सपना देखा था। एक भाजपा नेता ने बताया कि उसी स्थान पर ध्यान करना स्वामी जी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को जीवन में लाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस स्थान को पवित्र ग्रंथों में भगवान शिव के लिए देवी पार्वती के ध्यान के स्थल के रूप में भी जाना जाता है। यह स्थान भारत का सबसे दक्षिणी छोर है। भाजपा नेताओं ने कहा कि यह वह जगह है, जहां पूर्वी और पश्चिमी तटरेखाएं मिलती हैं। यह हिंद महासागर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर का मिलन बिंदु भी है। एक नेता ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी कन्याकुमारी जाकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दे रहे हैं।

पृष्ठ एक का शेष

मिजोरम में भूस्खलन...

साफ नहीं हो जाता, तब तक तलाश अभियान जारी रहेगा। उधर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को मिजोरम में एजल के पास पत्थर की खदान ढहने से लोगों की मौत पर दुख जताया है। राष्ट्रपति ने अपने शोक संदेश में कहा कि मिजोरम में एजल के पास पत्थर की खदान ढहने से लोगों की मौत के बारे में जानकर दुख हुआ। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं बचाव और राहत कार्यों की सफलता के लिए प्रार्थना करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। उल्लेखनीय है कि मिजोरम के एजल जिले में पत्थर की खदान खिसकने की वजह से मलबे में दबकर कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई।

नगालैंड में चार ...

मौसम विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। मुख्यमंत्री पेमा खांडु ने मंगलवार को राज्य के लोगों से सभी एहतियाती कदम उठाने और तूफान से प्रभावित क्षेत्रों से बचने का अनुरोध किया। मौसम विभाग ने मंगलवार और बुधवार को कुरुंग कुमेय, निचला सुबनसिरी, शि-योमी, पश्चिम सियांग, लोहित, चांगलांग, तिरप और लोंगडिंग जिले में भारी बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई है। वहीं भारी बारिश के कारण मणिपुर के भी कई इलाके जलमग्न हो गए, इससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। पूर्वी इंफाल जिले के जलभराव के कारण एंड्रो पार्किंग, चेकॉन, महाबली और वांगखेई में यातायात प्रभावित हुआ। फिलहाल राज्य में किसी के भी हताहत होने या मौत की सूचना नहीं मिली है। एक अधिकारी ने बताया कि एनएस 37 इंफाल-सिलचर राजमार्ग पर कांगपोकपी जिले के सिनम गांव के पास भूस्खलन के कारण एक ट्रक खाई में गिर गया। सेनापति जिले में कई नदियां उफान पर हैं। बाढ़ का पानी जिले के कई इलाकों में घुस गया।

भारी बारिश से दो ...

कि लगातार बारिश और तूफानी हवाओं के कारण कपिरचेर्रा (एनएच-27, हाफलांग से सिलचर) और थेरेबसाती (उमरंगसो-देहांगी रोड) में भूस्खलन हुआ है। यातायात बाधित एवं प्रतिबंधित है। हाफलांग में बीएसएनएल का एक टावर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है और लोगों को निकालने के प्रयास जारी हैं। हम स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। चक्रवाती तूफान के चलते कई जगहों पर स्कूल एवं अन्य शैक्षणिक संस्थान भी बंद कर दिए गए हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि चक्रवात के प्रभाव के रूप में राज्य में अत्यधिक भारी वर्षा होगी। मौसम की वजह से गुवाहाटी, जोरहाट, तेजपुर, मोरीगांव, धुबड़ी, ग्वालपाड़ा, दक्षिण सालमारा, बरपेटा, कछार और करीमगंज जिलों में नौका सेवाएं भी रोक दी गईं हैं।

मुख्यमंत्री ने चक्रवात...

पेड़ गिरने से मौके छात्र कौशिक और एक अन्य पुतुल गोगोई की मौत हो गई। गेरुकामुख में एनएचपीसी परियोजना स्थल पर भूस्खलन में जिसकी मृत्यु हो गई। मुख्यमंत्री ने राज्य के मुख्य सचिव को प्रभावित परिवारों को सभी आवश्यक सहायता और घायलों का समय पर इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्य सचिव स्थिति का आकलन करने और एहतियाती निगरानी के लिए आज शाम पुलिस महानिदेशक की उपस्थिति में जिला आयुक्तों और असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस करेंगे। बैठक में घरों और संपत्तियों के हुए नुकसान का त्वरित आकलन किया जाएगा और तत्काल राहत प्रदान करने के उपाय किए जाएंगे। इस बीच, मुख्य सचिव ने जिला आयुक्तों को राज्यभर में व्यस्त यात्री नौका घाटों का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करने का निर्देश दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी एहतियाती कदम उठाए गए हैं। चक्रवात से राज्यभर में बड़ी संख्या में पेड़ों के उखड़ने, घरों और बिजली के बुनियादी ढांचे के क्षतिग्रस्त होने, ढेकियाजुली में कई स्कूली छात्रों के घायल होने और भारी बारिश और तेज हवाओं के चलते दो लोगों की जान गई है। राज्य में एसडीआरएफ, अग्निशमन सेवा, पुलिस, एपीडीसीएल, स्वास्थ्य और वन अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं और पुनर्स्थापन प्रयासों में लगे हैं। करीमगंज जिले के कुछ हिस्सों में अचानक बाढ़ की सूचना मिली है, जिससे जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर है। धुबड़ी, दक्षिण सालमारा, बजाली, बरपेटा और नलबाड़ी में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि चिरांग, ग्वालपाड़ा, बाक्सा, तामुलपुर, डिमा हसाओ, कछार, हैलाकांदी और करीमगंज के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। शेष जिलों के लिए 28 और 29 मई के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

रेमल के असर...

हो गई। बाद में उसे हटाया गया। रेमल के प्रभाव से फैंसी बाजार इलाके में ब्रह्मपुत्र नद पर बन रहे सेतु के सामने से बहकर दो जहाज पांडू घाट पर पहुंच गए। पांडू स्थित विद्यामंदिर स्कूल के किनारे में लगा एक पेड़ टूटकर सड़क पर पड़ा जिस कारण रात से इस सड़क पर यातायात ठप हो गया। स्कूल को भी काफी नुकसान हुआ। गौहाटी विश्वविद्यालय स्थित आसू के शहीद बेदी पर एक बड़ा सा पेड़ गिरने के कारण शहीद वेदी टूट गई। बिजली न होने के कारण गौहाटी विश्वविद्यालय के छात्रावास में पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है। जालुकबारी 17 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तूफान के चलते एक बड़ा पीपल का पेड़ सड़क पर गिर गया। सुबह यातायात पुलिस एवं अन्य पुलिसकर्मी की सहायता से सड़क को साफ किया गया। इसके बाद पुनः वाहनों का परिचालन शुरू हो पाया। गुवाहाटी के खानामुख में *बोहागी विदाई* बिहू के लिए बनाया गया बड़ा पंडाल टूट के गिर गया जिस कारण पूरे कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा। वहीं तूफान के कारण सुबह के समय कई घर, स्कूल, कार्यालय, मंदिर, लग्जरी कार, आटो आदि पर भी बड़े-बड़े पेड़ गए। इस दौरान पलाशबाड़ी इलाके में पेड़ की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। वहीं अन्य कई लोग घायल हुए हैं। तूफान और बरसात के कारण पूरे राज्य के साथ ही गुवाहाटी में सामान्य जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है।

ढेकियाजुली में स्कूल बस पर गिरा विशालकाय पेड़, कई बच्चे घायल

शोणितपुर (हिंस)। चक्रवाती तूफान *रेमल* की वजह से राज्य में काफी तबाही हुई है। लगातार हो रही भारी बरसात ने स्थिति को और विकट बना दिया है। तूफान और बरसात के चलते शोणितपुर जिले के ढेकियाजुली में सेंट उर्सुला हाई स्कूल के सामने एक स्कूल बस के ऊपर एक विशालकाय यूकेलिप्टस का पेड़ गिरने से विद्यालय के सात विद्यार्थियों घायल हो गये, जिसमें एक विद्यार्थी को गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी मिली है। सभी घायलों को तेजपुर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल ले जाया गया है। गंभीर रूप से घायल विद्यार्थी की पहचान नौवीं कक्षा के छात्र मनीष टप्पो के रूप में किया गया है। वहीं बरनीनी सैकिया, प्रतीति कश्यप और कई अन्य छात्रों के अलावा शिक्षकों के भी आंशिक रूप से घायल होने की जानकारी मिली है। उल्लेखनीय है कि तूफान के चलते गुवाहाटी के काफी संख्या में विद्यालयों को बंद किए जाने की विद्यालय प्रबंधन ने सूचना जारी की है। तूफान को देखते हुए आज नगांव और मोरीगांव जिला के सभी निजी एवं सरकारी विद्यालयों को बंद कर दिया गया है। वहीं, पड़ोसी राज्य मिजोरम में भी आज सभी विद्यालयों को बंद किए जाने की प्रशासन ने घोषणा की है।

जनाजे के चार दिन बाद लौट आया युवक

दरंग (हिंस)। दरंग जिले के मिसामारी चर इलाके में एक युवक जनाजे के चार दिन बाद घर लौट आया। स्थानीय लोगों ने मंगलवार को बताया कि मिसामारी चर (नदी का मैदानी इलाका) का उमर अली नामक युवक काम की तलाश में घर पर किसी को नहीं बता कर निकाला था। उमर जब घर वापस नहीं आया तो उसकी तलाश शुरू कर दी। काफी खोजबीन के बाद उमर का कुछ पता नहीं चला तो उसके परिजनों ने मंगलदै थाने में लापता की शिकायत दर्ज कराई। चार दिन पहले मिसामारी चर के गाधोवा चापरी इलाके में एक सड़ा गला शव मिलने की जानकारी मिलते ही उमर के परिजन और गांव वाले पहुंचे। परिजनों ने शव को उमर अली का शव समझकर पोस्टमार्टम के बाद दफन कर दिया। घटना के चार दिन बाद उमर अली अपने घर लौट आया। इसके बाद उमर के परिजन को काफी आश्चर्य हुआ। चार दिन पहले उमर के परिजनों ने जिस शव को उमर का शव समझ कर कफन दफन किया वह शव किसका था। उसकी हत्या की गई या संभावित मौत हुई है। इस पूरे मामले की जांच करने में पुलिस जुट गई है।

गौविवि परिसर में अभाविप का कार्यालय बनाने की मांग

गुवाहाटी (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की असम प्रदेश इकाई ने मंगलवार को गौहाटी विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों को एक पत्र प्रेषित कर विश्वविद्यालय परिसर के अंदर अभाविप का स्थायी कार्यालय बनाने की मांग की है। अभाविप के असम प्रदेश के प्रांत मंत्री हेराल्ड महन ने अपने पत्र में कहा कि पूरे असम में वर्तमान अभाविप का संगठनात्मक कार्यों का विस्तार एवं प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। अतः संगठनात्मक कामकाज के लिए गौहाटी विश्वविद्यालय में एक कार्यालय की आवश्यकता है, जो वर्तमान में पूरे असम में संगठनात्मक रूप से फैल रहा है। उल्लेखनीय है कि अभाविप वर्ष 1948 से लेकर आज तक लगातार छात्र समुदाय और समाज के लिए काम कर रहा है। 75 वर्ष पूरा करने वाला यह छात्र संगठन अब सदस्यता के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। विद्यार्थी परिषद असम की विभिन्न समस्याओं के ऊपर मजबूत मांगों को उठा रहा है, चाहे वह असम आंदोलन के दौरान हो या बाद के समय में। अभाविप ने हमेशा असमिया लोगों से संबंधित हर क्षेत्र में अपनी आवाज उठाई है। यदि किसी विशेष छात्र संगठन के लिए विश्वविद्यालय परिसर में कार्यालय की व्यवस्था हो सकती है तो अभाविप के लिए भी विश्वविद्यालय परिसर में कार्यालय की व्यवस्था करने पर कोई प्रतिबंध नहीं होना चाहिए।

चक्रवात के कारण लमडिंग-बदरपुर पहाड़ी सेक्शन में रद्द, आंशिक रद्द और पुनर्निर्धारित की गई ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। चक्रवाती प्रभाव के कारण पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के लमडिंग मंडल के अंतर्गत न्यू हाफलंग-जाटिंगा लामपूर सेक्शन और डिटकछड़ा यार्ड के मध्य जल जमाव को देखते हुए ट्रेनों को निम्नानुसार रद्द, आंशिक रद्द और पुनर्निर्धारित किया गया है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची जे ने आज बताया कि रद्द की गयी ट्रेनों में 29 मई को रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 15615 (गुवाहाटी- सिलचर) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 15888/15887 (गुवाहाटी-बदरपुर-गुवाहाटी) टूरिस्ट एक्सप्रेस, 30 मई को रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 13173 (सियालदह-अगरतला) कंचनजंघा एक्सप्रेस, 31 मई को रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 12503 (एसएमवीटी बेंगलुरु-अगरतला) हमसफर एक्सप्रेस शामिल हैं। आंशिक रद्द ट्रेनों में 28 मई को शुरू हुई ट्रेन संख्या 15616 (सिलचर-गुवाहाटी) एक्सप्रेस की यात्रा संक्षिप्त गंतव्य दामछड़ा तक जाएगी और दामछड़ा एवं गुवाहाटी के बीच रद्द रहेगी। 28 मई को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15618 (दुल्लभछड़ा-गुवाहाटी) एक्सप्रेस संक्षिप्त गंतव्य बराईग्राम जंक्शन तक जाएगी और बराईग्राम एवं गुवाहाटी के बीच रद्द रहेगी। 28 मई को शुरू हुई ट्रेन संख्या 13174 (अगरतला- सियालदह) कंचनजंगा एक्सप्रेस की यात्रा संक्षिप्त गंतव्य धर्मनगर तक जाएगी और धर्मनगर एवं सियालदह के बीच रद्द रहेगी। 27 मई को शुरू हुई ट्रेन संख्या 13175 (सियालदह-अगरतला) कंचनजंगा एक्सप्रेस की यात्रा संक्षिप्त गंतव्य न्यू हाफलंग तक जाएगी और न्यू हाफलंग एवं अगरतला के बीच रद्द रहेगी। 28 मई को शुरू हुई ट्रेन संख्या 12504 (अगरतला- एसएमवीटी बेंगलुरु) हमसफर एक्सप्रेस की यात्रा संक्षिप्त गंतव्य बदरपुर तक जाएगी और बदरपुर एवं एसएमवीटी बेंगलुरु के बीच रद्द रहेगी। 26 मई को शुरू हुई ट्रेन संख्या 12519 (लोकमान्य तिलक टर्मिनस- अगरतला) एक्सप्रेस की यात्रा संक्षिप्त गंतव्य माइबांग तक जाएगी और माइबांग एवं अगरतला के बीच रद्द रहेगी। 27 मई को शुरू हुई ट्रेन संख्या 15625 (देवघर- अगरतला) एक्सप्रेस की यात्रा संक्षिप्त गंतव्य गुवाहाटी तक जाएगी और गुवाहाटी एवं अगरतला के बीच रद्द रहेगी। पुनर्निर्धारित ट्रेनों में 28 मई को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12516 (सिलचर-कोयंबत्तूर जंक्शन) एक्सप्रेस 19:15 बजे के बजाय पुनर्निर्धारित समय 29 मई को 08:00 बजे किया गया है।

रंगिया के तरनी में जालसाज की स्थानीय लोगों ने की जमकर पीटाई

रंगिया (निसं)। रंगिया शहर के निकट तरनी में एक जालसाज को लोगों ने पकड़कर रामधूलाई कर दी। स्थानिय लोगों ने रंगिया के तातीपारा के धोखेबाज रॉबिन बैश्य को सार्वजनिक सजा दी गई। नौकरी के नाम पर पैसा लेने आने वाले जालसाज को चारों तरफ से लोगों ने घेर लिया। उसके बाद जालसाज पर तमाचा, घूंसा, किक से लोगों ने रामधूलाई कर दी। स्थानीय लोगों से पता चला है कि ठग रॉबिन बैश्य जल संसाधन विभाग में नौकरी देने के नाम पर कई लोगों से पैसा वसूलने आया था। जालसाज ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय के वकील दीपेन गोगोई की ओर से पैसे लेने आने की बात भी कबूल की है। बाद मे उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।

मार्घेरिटा में अवैध कोयला व्यापारी के घर पर छापा

तिनसुकिया (हिंस)। जिले लिडू टिकक स्थित वेस्ट माइनिंग की एक अवैध खदान के धंसने से सोमवार की तीन मजदूरों की मौत के मामले में मार्घेरिटा में एक कोयला व्यापारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने मंगलवार तड़के मार्घेरिटा में कोयला व्यापारी लुंगचांग के घर पर छापा मारकर वहां से दो करोड़ 99 लाख रुपए जब्त किए हैं। कोयला व्यापारी लुंगचांग के खिलाफ लिडू टिकक वेस्ट माइनिंग में अवैध कोयला खदान चलाने का आरोप है। इसी खदान में सोमवार को जिंदा तीन कोयला श्रमिक दफन हो गए थे।

राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में राज्य के खिलाड़ियों का रहा शानदार प्रदर्शन

रंगिया (विभास)। महाराष्ट्र के नासिक डिविजनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 22 वें राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में असम के खिलाड़ियों के अच्छा प्रदर्शन ने सभी उत्साहित कर दिया। 25 और 26 मई को आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में असम की 18 सदस्यीय कराटे टीम ने भाग लिया था। राष्ट्रीय कराटे की असम शाखा के अध्यक्ष मजाहारूल इस्लाम द्वारा बताया गया है कि असम की टीम ने टूर्नामेंट में 15 स्वर्ण, 8 रजत और 10 कांस्य पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया है। बताया कि उनके नेतृत्व में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया और सभी कराटे प्रेमियों को उत्साहित किया है। वहीं दूसरी ओर ब्लैक बेल्ट परीक्षा में ध्यानम कश्यप, अर्नब दास, चिराग बर्मन, केशरज्योति उजिर, बरनिता उजिर, धृतिस्मिता चौधूरी, देवर्ष दास, पिजुसमोनी दास और माहमुदुल हक ने पहला डान हासिल किया है। ब्लैक बेल्ट तीसरा डान रब्बा जमाल और कंजीत दास जीतने में सफल हुए है। खगेन कलिता ने पांचवीं ब्लैक बेल्ट जीती। बताया गया है कि असम कराटे टीम को क्रमशः पंकज पाठक और खगेन द्वारा प्रशिक्षित और प्रबंधित किया गया था।

आलोपतीचर के पीएससी चौक मार्केट में चोरों ने मचाया तांडव

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा विधानसभा क्षेत्र के आलोपति चर थाना अंतर्गत आलोपति पीएचसी चौक मार्केट में बीती रात दो दुकान में हुई चोरी ने इलाके में कोहराम मचा दिया है। खबरों के मुताबिक चोरों ने सिराजुल हक की मोबाइल दुकान और अंजम हुसैन नाम के कपड़ा व्यापारी की दुकान से करीब 6-7 लाख रुपए का सामान लूट लिया। पिछले दो दिनों से भारी बारिश के कारण इलाके में बिजली नहीं थी और उसने इस चोरी का फायदा उठाया। आलोपतीचर थाने की पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है और जांच जारी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाजार में कुछ दिन पहले चोरी हुई थी, लेकिन पुलिस चोरी में शामिल चोरों को पकड़ नहीं पाई है। स्थानीय लोग इसमें पुलिस प्रशासन से मांग की गई है कि समय-समय पर चोरी करने वाले चोर को तुरंत गिरफ्तार कर अनुकरणीय सजा दी जाए।

होजाई में आज सभी शैक्षणिक संस्थान रहेंगे बंद

होजाई (निसं)। चक्रवाती तूफान रेमल के कारण तेज हवाओं और लगातार हो रही बारिश को देखते हुए, होजाई जिला प्रशासन ने छात्रों की सुरक्षा के लिए होजाई जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों को 29 मई (बुधवार) को बंद रखने का आदेश दिया है। मंगलवार को जारी आदेश में, प्रशासन ने कहा है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 30 (2) (1) के प्रावधान के अनुसार, चक्रवात रेमल के कारण गंभीर तूफान जैसी स्थिति और तेज हवाओं के कारण व छात्रों की सुरक्षा के लिए, होजाई जिले के अंतर्गत सभी शैक्षणिक संस्थान (सरकारी और निजी दोनों) 29 मई, 2024 को बंद रहेंगे। हालांकि, निर्धारित सेमेस्टर और कंपार्टमेंटल परीक्षाएं योजना के अनुसार आयोजित की जाएंगी।

वंदे भारत एक्सप्रेस में स्नेक्स को लेकर यात्री ने की शिकायत

बंगाईगांव। यात्री हमेशा आनंदमय एवं आरामदायक यात्रा के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी देश की सबसे महंगी तथा आलीशान रेल में सफर करते हैं। क्या कभी हम सोच सकते हैं कि वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी प्रतिष्ठित गाड़ी में आपको नाश्ते की गुणवत्ता में कमी मिले। ऐसा ही एक वाक्या बंगाईगांव के महेश कुमार अग्रवाल के साथ हुआ जब वे रविवार को गुवाहाटी से न्यू-बंगाईगांव वंदे भारत एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान रास्ते में जब नाश्ता दिया गया तो इसकी निम्न गुणवत्ता को देखकर अग्रवाल ने तुरंत रेल मदद एप के जरिए शिकायत दर्ज कर डाली। शिकायत दर्ज करते ही गुवाहाटी से लेकर दिल्ली तक सेंट्रल मोनीटरिंग सेल के अधिकारी हरकत में आ गए एवं वंदे भारत एक्सप्रेस में उपस्थित इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन के अधिकारियों को तुरंत महेश कुमार अग्रवाल से संपर्क करने के आदेश दिए तथा परोसे गए निम्न स्तर के नाश्ते के लिए ट्रेन में उपस्थित अधिकारियों ने यात्री से क्षमा मांगी एवं असुविधाजनक परिस्थिति के लिए खेद प्रकट किया। जैसे ही यात्री अपने गन्तव्य स्थान न्यू बंगाईगांव स्टेशन में ट्रेन से उतरे ठीक उसी समय दिल्ली स्थित सेंट्रल मॉनिटरिंग सेल से फोन द्वारा कम गुणवत्ता वाला नाश्ता पहुंचाने के लिए खेत व्यक्त किया गया एवं बताया गया कि जिस बेस कीचन से नाश्ता की आपूर्ति की गई है उस पर कार्रवाई के साथ ऐसी घटना भविष्य में ना हो इसके लिए सचेत कर दिया गया है। अभी हाल ही में रेलवे द्वारा नए नियम के अनुसार पानी की बर्बादी को रोकने के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रियों को 1 लीटर पानी की बोतल की जगह शुरुआत में आधा लीटर पानी की बोतल दी जाएगी। यात्री की मांग के अनुसार बिना शुल्क के दुसरी आधा लीटर की पानी की बोतल और दे दी जाएगी। लेकिन इसकी जानकारी प्रायः यात्रियों को नहीं है।

एसएसबी ने किया भारी मात्रा में अवैध लकड़ी जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के बाह्य सीमा चौकी दादगिरी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर भारत-भूटान पिलर संख्या-169/3 से लगभग 04 किलोमीटर भारत की ओर सीमा चौकी दादगिरी द्वारा ऑक्सीगुड़ी फॉरेस्ट एरिया में सर्च अभियान चलाया गया, जिस दौरान अवैध रूप से कटे हुए इमारती लकड़ियों को टाटा 710 वाहन पर लाद कर ले जा रहे लकड़कट्टों को देख कर टीम ने उनका पीछा किया, अपनी ओर आ रहे एसएसबी की टीम को देखते ही लकड़कट्टे टाटा 710 वाहन और उसमें लदी भारी मात्रा में लगभग 800 सीएफटी इमारती लकड़ियों को छोड़कर जगंल में भाग गए तदोपरान्त उनकी खोज टीम द्वारा की गई परन्तु वे नहीं मिले। कटी हुई इमारती लकड़ी व टाटा 710 वाहन को जब्त किया गया। जब्त किए गये लकड़ी व वाहन को वन विभाग कार्यालय रूनीखाता को अग्रिम कार्यवाही हेतू सूपुर्द कर दिया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गस्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

मेघालय में बस से 458 ग्राम हेरोइन बरामद, एक गिरफ्तार

शिलांग (हिंस)। मेघालय पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ चलाए गए एक अभियान में भारी मात्रा में हेरोइन जब्त की है। पुलिस ने एक रात्रिकालीन बस पर छापा मारा कर हेरोइन लेकर जा रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार कियाइ है। पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में पुलिस ने सिलचर से गुवाहाटी की ओर जा रही एक रात्रिकालीन सेवा की बस को रोक कर तलाशी ली, इस दौरान बस से 458 ग्राम हेरोइन जब्त की। पुलिसे यात्री अब्दुल कुद्दूस लस्कर को हेरोइन की आपूर्ति के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अब्दुल कछार जिले के सोनाई हतिरहार के सिंगरबंद का रहले वाला है। लुमसुंग पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम के तहत अंतरराज्यीय ड्रग्स पेडलर अब्दुल कुदूस लस्कर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

अपोलो हॉस्पिटल्स, गुवाहाटी ने उत्तर-पूर्व भारत में पहली बार शुरू की 5जी कनेक्टेट एंबुलेंस सेवा

गुवाहाटी। अपोलो हॉस्पिटल गुवाहाटी देश का सबसे बड़ा अस्पताल है। (यूनिट: इंटरनेशनल हॉस्पिटल) व्यापक रूप से कनेक्टेड 5जी एंबुलेंस लाता है। इससे स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में बदलाव आएगा और आपातकालीन स्थितियों में लोगों की जान बचाई जा सकेगी। सीमा-शुल्क-डिजाइन की गई, अत्याधुनिक 5जी-कनेक्टेड एंबुलेंस नवीनतम चिकित्सा से सुसज्जित है। उपकरण, रोगी निगरानी अनुप्रयोग और टेलीमेट्री उपकरण जो संचारित करते हैं। चलती हुई एंबुलेंस से लेकर अस्पताल तक मॉनिटरिंग कंसोल से मरीज का स्वास्थ्य डेटा वास्तविक रूप से समय का आधार। इसके अलावा, यह अल्ट्रा-फास्ट और लो-स्पीड से जुड़े ऑनबोर्ड कैमरों से भी लैस है। विलंबता 5जी नेटवर्क। ये हाई-डेफिनिशन कैमरे लाइव वीडियो और मरीज डेटा प्रसारित करते हैं। लगभग शून्य विलंबता के साथ, एंबुलेंस टीम वास्तविक समय मार्गदर्शन और सहायता प्राप्त कर सकती है। अस्पताल के आपातकालीन विभाग में बैठे चिकित्सा विशेषज्ञों से। इससे न केवल निदान और उपचार की सटीकता और गति में सुधार होता है, बल्कि इसमें सुधार भी होता है। जीवन बचाने, जटिलताओं को कम करने और आपातकाल की समग्र गुणवत्ता में सुधार करने की क्षमता रोगी के परिवहन के दौरान चिकित्सा देखभाल। एकीकृत कनेक्टेड केयर प्रौद्योगिकी समाधान हेल्थनेट ग्लोबल लिमिटेड द्वारा प्रदान किया जाता है, अपोलो अस्पताल का एक सहयोगी। जब कोई गंभीर मरीज अस्पताल जा रहा हो और हर सेकेंड में फर्क पड़ता है, तो 5जी-कनेक्टेड एंबुलेंस आपातकालीन कक्ष के विस्तार के रूप में कार्य करती है और इसे सक्षम बनाती है। अगले: हमेशा अस्पताल से जुड़ा: हाई-स्पीड, लो-लेटेंसी 5जी नेटवर्क रिले करता है। सुनिश्चित करने के लिए अस्पताल के कमांड सेंटर में एंबुलेंस का भू-स्थान गोल्डन आवर का समय बचाने के लिए निकटतम एंबुलेंस गंभीर रोगी तक पहुंचती है। यह भी एंबुलेंस रोगी के संपूर्ण टेलीमेट्री डेटा को, महत्वपूर्ण अंगों सहित, नजदीक तक पहुंचाती है। अस्पताल में डॉक्टरों और विशेषज्ञों के लिए वास्तविक समय। यह ईआर के डॉक्टरों को बनाने की अनुमति देता है। त्वरित निर्णय लेना और एंबुलेंस में पैरामेडिक्स को आवश्यक सहायता प्रदान करने की सलाह देना चलते समय यह अस्पताल के कर्मचारियों को मरीज के बेहतर प्रबंधन के लिए भी तैयार करता है। आगमन और कीमती समय की बचत। ईआर विशेषज्ञ डॉक्टरों को वस्तुतः एंबुलेंस तक पहुंचाता है: लगभग वास्तविक समय के साथ कैमरा फीड उपलब्ध है, एंबुलेंस में डॉक्टर और पैरामेडिक्स इसका उपयोग कर सकते हैं। अस्पताल में ईआर विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ सहयोग करने के लिए कैमरे, जो सुसज्जित हैं। यदि आवश्यक हो तो बुनियादी प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों के साथ। डॉक्टरों ने प्रक्रिया को पूरा करने और बहुमूल्य जीवन बचाने के लिए अर्धचिकित्सक को वस्तुतः मार्गदर्शन कर सकता है। यह आधुनिक तकनीक *विश्व आपातकालीन चिकित्सा* पर असम के लोगों को समर्पित है। दिन 27 मई 2024 को अपोलो अस्पताल गुवाहाटी से।

No, SCTE-13/2017/Pt-II/288

EDUCATIONAL NOTICE

Special Retest- 2024

This is for information to students from **2014 - 2017** batches, that students from **'2014 - 2016'** batches, who cleared all subjects of **1st & 2nd Semester** but having maximum **'five'** number of total **back logs** including practical **(in 3rd, 4th, 5th & 6th Semester)** will be allowed to appear in their arrear back subjects (theory and practical) in the **Special Retest - 2024** Examination. Students from **2017th batch** (considering **Covid-19** Pandemic Period) having back in **1st** and **2nd semester** and maximum **'five'** number of total **back logs** (in **1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th & 6th Semester**) will be allowed to appear in the **Special Retest - 2024** Examination. This will be the last opportunity to pass 3 - year Diploma in Engineering & Technology from State Government Polytechnics of Assam.

Students will be categorized as **old syllabus** candidates **(2014 - 2016 batch)** and **new syllabus** candidates **(2017 batch)** as per relevant syllabus. Question paper pattern will be same as current question paper (15 marks objective type questions and 55 marks subjective type questions).

The tentative date of commencement of **Special Retest - 2024 is 28/08/2024.** Form fill up will be held **'Offline'** at relevant Polytechnics. The date of form fill up and Schedule will be announced later.

Candidates will have to complete form fill up process 'in time' at respective polytechnics (offline) as notified by the Directorate of Technical Education. Notification of form fill up process will be published on official website of Directorate of Technical Education, Assam and respective polytechnics.

Director of Technical Education, Assam
& Secretary State Council for Technical Education,
Assam, Kahilipara, Guwahati-19.

-- Janasanyog / D/1036/24 /29-May-24

संपादकीय

बदतर होती बेरोजगारी

एक डाटा सामने आया है कि मोदी सरकार ने अपने 10 साला कार्यकाल के दौरान 51.40 करोड़ रोजगार मुहैया कराए हैं। इसमें सरकारी नौकरियां, स्वरोजगार और निजी क्षेत्र में नौकरियां और दिहाड़ीदार रोजगार आदि शामिल हैं। डाटा के अर्थ हैं कि हर साल औसतन 5.14 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा किए गए। यह भी दावा है कि 43 करोड़ से अधिक लोगों को मुद्रा लोन दिए गए। जाहिर है कि वे भी रोजगार का एक हिस्सा हैं। सरकार की 12 परियोजनाओं के तहत 19.79 करोड़ रोजगार दिए गए। यदि यूपीए सरकार मनरेगा दिहाड़ी को रोजगार मानती थी, तो मोदी सरकार के दौरान ऐसे अवसरों को 'रोजगार' क्यों नहीं माना जा सकता। करीब 180 देशों में रोजगार का यही प्रारूप लागू है। यह भी दावा किया गया कि रोजगार की 3.35 फीसदी सालाना बढ़ोतरी दर दर्ज की गई है। इन दावों के विपरीत देश में बेरोजगारी का संकट बदतर होता जा रहा है। सरकारी आंकड़ा 6.7 फीसदी का बताया जा रहा है, लेकिन निजी सर्वेक्षण कंपनियों के निष्कर्ष हैं कि देश भर में, सभी धर्मों, समुदायों, जातियों, जमातों में बेरोजगारी का औसत 2023-24 के दौरान 8.03 फीसदी रहा है। रोजगार का यही औसत 37.18 रहा है। बहरहाल आम चुनाव के 6 चरणों में केरल, हरियाणा, महाराष्ट्र जैसे सम्पन्न राज्यों से लेकर बिहार, ओडिशा, राजस्थान सरीखे अपेक्षाकृत गरीब राज्यों तक बेरोजगारी सबसे बड़ी गूंज रही है। मतदाता, रिपोर्टर, चुनाव विश्लेषक, जनमत सर्वेक्षणों और पार्टी कार्यकर्ताओं आदि ने यह मुद्दा महसूस किया और उठाया है। सीएसडीएस-लोकनीति के सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष सामने आया है कि 29 फीसदी से अधिक लोग बेरोजगारी को सबसे बड़ा मुद्दा और संकट मानते हैं, लेकिन चुनाव इस मुद्दे पर नहीं लड़ा जा रहा, लिहाजा वे क्षुब्ध हैं। बेरोजगारी की यह निराशाजनक स्थिति कोई आश्चर्य नहीं है, क्योंकि भारत के युवा बेरोजगारी की समस्या लगातार झेलते रहे हैं। कोरोना महामारी के बाद यह समस्या बढ़ी और बदतर हुई है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के ताजा डाटा के अनुसार, जनवरी-मार्च तिमाही में बेरोजगारी दर, 15-29 आयु वर्ग में, 17 फीसदी रही है। सरकारी डाटा से यह करीब तीन गुना ज्यादा है। इस आयु-वर्ग में दहाई में बेरोजगारी का संकट पिछले कई सालों से गहराता जा रहा है। दरअसल अवैतनिक काम बढ़ रहा है, गैर-श्वेत कॉलर के काम (हुनरमंद श्रम) घट रहे हैं, स्वरोजगार एक अंतिम विकल्प है, उसमें भी कम आय वर्ग वालों को घाटा ही हो रहा है। असल दिहाड़ी भी मिलना मुश्किल है। यह स्थिति तब है, जब औसतन 50 लाख लोग सालाना कार्यबल में शामिल हो रहे हैं। भारत की औसतन रोजगार दर, बीते आठ सालों के दौरान, 5.6 फीसदी गिरी है। श्रम बल भागीदारी दर के मद्देनजर देखें, तो सवर्णों में हिंदुओं की भागीदारी दर सबसे कम है। ओबीसी और अनुसूचित जातियों, जो दो सबसे बड़ी कामकाजी उम्र की आबादी हैं, उनमें सबसे तेज गिरावट देखी गई है। बेरोजगारी के कई बुनियादी कारण हैं। सबसे बड़ा कारण तो यही है कि सरकारी नौकरियां बेहद सीमित हैं। वे मायावी-सी हैं, दुष्प्राप्य हैं, 144 करोड़ के देश के हरेक पात्र नागरिक को सरकारी नौकरी नहीं दी जा सकती। नौकरियों के लिए परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं, तो पहले ही पेपर लीक हो जाते हैं। उसका माफिया भी देश में सक्रिय है। देश में निजी शैक्षणिक संस्थान, कॉलेज, विश्वविद्यालय कुकुरमुत्तों की तरह फैल गए हैं। यह भी एक विस्फोटक स्थिति है। वे अधकचरे स्नातक पैदा कर रहे हैं, लेकिन उनके लिए नौकरियां नहीं हैं। सभी की प्राथमिकता सरकारी नौकरी की है। ऐसी स्थिति में कोई भी सरकार बेरोजगारी को नियंत्रित कैसे कर सकती है? ऐसे में कई युवा रोजगार-घोटालों के शिकार होते हैं, विदेश भेज कर उन्हें सीधा युद्ध के मैदान में उतार दिया जाता है, नतीजतन कुछ युवा तो अनाम मौत के शिकार हुए हैं। ऐसा ही रूस का एक मामला सामने आया था। उसमें केंद्र सरकार ने हस्तक्षेप भी किया था। ऐसे उदाहरण बेरोजगारी की ही देन हैं।

सरकार की 12 परियोजनाओं के तहत 19.79 करोड़ रोजगार दिए गए। यदि यूपीए सरकार मनरेगा दिहाड़ी को रोजगार मानती थी, तो मोदी सरकार के दौरान ऐसे अवसरों को 'रोजगार' क्यों नहीं माना जा सकता। करीब 180 देशों में रोजगार का यही प्रारूप लागू है। यह भी दावा किया गया कि रोजगार की 3.35 फीसदी सालाना बढ़ोतरी दर दर्ज की गई है। इन दावों के विपरीत देश में बेरोजगारी का संकट बदतर होता जा रहा है। सरकारी आंकड़ा 6.7 फीसदी का बताया जा रहा है, लेकिन निजी सर्वेक्षण कंपनियों के निष्कर्ष हैं कि देश भर में, सभी धर्मों, समुदायों, जातियों, जमातों में बेरोजगारी का औसत 2023-24 के दौरान 8.03 फीसदी रहा है। रोजगार का यही औसत 37.18 रहा है। बहरहाल आम चुनाव के 6 चरणों में केरल, हरियाणा, महाराष्ट्र जैसे सम्पन्न राज्यों से लेकर बिहार, ओडिशा, राजस्थान सरीखे अपेक्षाकृत गरीब राज्यों तक बेरोजगारी सबसे बड़ी गूंज रही है। मतदाता, रिपोर्टर, चुनाव विश्लेषक, जनमत सर्वेक्षणों और पार्टी कार्यकर्ताओं आदि ने यह मुद्दा महसूस किया और उठाया है।

देश की नई पीढ़ी के लिए रोजगार के नए मौके भी तेजी से निर्मित करके नई पीढ़ी को नई मुस्कुराहट दे

नई सरकार की प्राथमिकता हो सेवा निर्यात

डा. जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों प्रकाशित हो रही विदेश व्यापार संबंधी नई रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि 4 जून के बाद गठित होने वाली भारत की नई सरकार की यह प्राथमिकता होनी चाहिए कि वह भारत की सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) में दिखाई दे रही ऊंची संभावनाओं को साकार करके बढ़ते विदेश व्यापार घाटे को कम करने की डगर पर आगे बढ़े। साथ ही सेवा निर्यात बढ़ाकर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) सहित नए डिजिटल कौशल से दक्ष देश की नई पीढ़ी के लिए रोजगार के नए मौके भी तेजी से निर्मित करके नई पीढ़ी को नई मुस्कुराहट दे। गौरतलब है कि कल तक पूरी दुनिया में भारत का सेवा निर्यात तेज रफ्तार से बढ़ रहे चमकीले सेक्टर के रूप में रेखांकित होता रहा है, लेकिन अब भारत के इसी प्रभावी सेवा निर्यात ने पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सुस्त रफ्तार दिखाई है। सेवा निर्यात की यह रफ्तार पिछले तीन साल में सबसे कम रही है। हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारत से माल एवं सेवाओं का कुल निर्यात 776.68 अरब डॉलर रहा, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 776.40 अरब डॉलर रहा था। ऐसे में गत वित्त वर्ष में सेवा निर्यात 3.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 339.62 अरब डॉलर का रहा, जबकि वस्तु निर्यात 3.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 437.06 अरब डॉलर रहा है। निश्चित रूप से बीते कुछ वर्षों में भारत के निर्यात का एक चमकदार पहलू सेवा निर्यात रहा है। भारत ने डिजिटल माध्यम से मुहैया करायी गयीं सेवाओं के निर्यात में वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। डिजिटल माध्यम से सेवा निर्यात के तहत कंप्यूटर नेटवर्क का इस्तेमाल कर शिक्षा, मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन, गेमिंग, मनोरंजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि के लिए दक्ष ऑपरेटर, कुशल प्रोग्रामर और कोडिंग विशेषज्ञ द्वारा दी जाने वाली सेवाएं शामिल हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के मासिक बुलेटिन में प्रकाशित एक शोध आलेख के पिछले तीस वर्षों में यानी 1993 से 2022 के बीच भारत का सेवा निर्यात 14 फीसदी से अधिक की समेकित सालाना वृद्धि दर से बढ़ा। यह 6.8 फीसदी की वैश्विक सेवा निर्यात वृद्धि की तुलना में बेहतर है। परिणामस्वरूप समान अवधि में सेवा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 0.5 फीसदी से बढकर 4.3 फीसदी जा पहुंची। इसी आधार पर भारत दुनिया में सातवां सबसे बड़ा सेवा निर्यातक देश बन गया है, जबकि वर्ष 2001 में सेवा निर्यात के मामले में भारत 24वें स्थान पर था। खास बात यह भी है कि दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवा निर्यात के क्षेत्र में भारत दुनिया में दूसरे और सांस्कृतिक तथा मनोरंजक सेवा निर्यात में छठे स्थान पर है। विश्व व्यापार संगठन की एक नई रिपोर्ट के अनुसार यदि केवल डिजिटल माध्यम से जुड़ी हुई सेवाओं के निर्यात के आधार पर मूल्यांकन करें तो इस क्षेत्र में भारत जर्मनी और चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में अमेरिका, ब्रिटेन और आयरलैंड के बाद चौथे क्रम पर आ गया है। निश्चित रूप से भारत सेवाओं के निर्यात में वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। निःसंदेह भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात बढ़ रहा है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि वर्ष 2015-16 से लगातार वर्ष 2022-23 के बीच भारत में जीसीसी की संख्या 60 फीसदी बढ़कर 1600 से अधिक हो गई है। जीसीसी भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा स्थापित विशेष केंद्र हैं जिनका मकसद स्थानीय प्रतिभा का फायदा उठाना, अधिक से अधिक परिचालन दक्षता हासिल करना और नए बाजारों तक पहुंचना है। जीसीसी सूचना प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी), वित्त, मानव संसाधन, ग्राहक सेवा, विश्लेषण और कारोबारी प्रक्रियाओं के संचालन सहित तमाम क्षेत्रों में कार्य करते हैं। गोल्डमैन सैक्स ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा कि भारत में जीसीसी की आय पिछले 13 वर्षों में 11.4 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक दर (सीएजीआर) से बढ़ी और चार गुना होती हुई वित्त वर्ष 2023 में 46 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि बीते कुछ दशकों से भारतीय अर्थव्यवस्था का अहम पहलू सेवा निर्यात रहा है। इसने न केवल व्यापार घाटे को थामे रखने में मदद की है, बल्कि इनसे देश में रोजगार निर्माण में सहारा दिया है। भारत ने वैश्विक सेवा व्यापार में प्रतिस्पर्धी क्षमता भी प्रदर्शित की है। दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित क्षेत्रों में भारत की लगातार पहचान बढ़ी है। लेकिन अब सेवाओं के निर्यात में कमजोर वृद्धि की मुख्य वजह विकसित अर्थव्यवस्थाओं से मांग नरम रहना है। वित्त वर्ष 2024-25 में भी सेवा निर्यात की हालत कमजोर ही रहने की आशंका है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था और विशेष तौर पर अमेरिका एवं यूरोप में उच्च ब्याज दरों के कारण मांग में नरमी रहेगी तथा युद्धजनित परिस्थितियों से वैश्विक व्यापार में कमी आएगी। निश्चित रूप से जिस तरह से ईरान-इजराइल के बीच टकराव और दुनिया में भूराजनीतिक मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं, उससे कच्चे तेल के दाम के साथ-साथ आपूर्ति संकट बढने की चिंताएं मुंहबाए खड़ी हैं। इससे भारत के वैश्विक व्यापार व निर्यात पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में भारत को सेवा निर्यात बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढना होगा। चूंकि इस समय विकसित अर्थव्यवस्था वाले देश अपने तट के आसपास के देशों में कारोबार पर जोर दे रहे हैं, यह भारतीय निर्यातकों के लिए भी चुनौती है। लेकिन यह बात ध्यान में रखी जानी होगी कि अब सेवा निर्यात के क्षेत्र में भी लगातार प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में भारत से डिजिटल सेवा निर्यात में तेजी से वृद्धि के लिए सेवाओं की गुणवत्ता, दक्षता, उत्कृष्टता तथा सुरक्षा को लेकर और अधिक प्रयास करना होंगे। भारत को अपने निर्यात में विविधता लाने और अन्य उभरते क्षेत्रों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। अब हमें सॉफ्टवेयर निर्यात के लिए अमेरिकी बाजार पर निर्भरता कम करके आउटसोर्सिंग की संभावनाओं वाले अन्य देशों में भी कदम बढ़ाना होंगे। खासतौर से आउटसोर्सिंग की नई संभावनाएं उत्तरी यूरोप, पूर्वी एवं मध्य यूरोप के देशों, कनाडा, जापान, दक्षिण कोरिया और पूर्वी एशियाई देशों, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका जैसे देशों में और बढ़ गई है। भारत की आईटी सेवा कंपनियों को गैर-अंग्रेजी भाषी देशों में कारोबार में आगे बढने के लिए कार्मिकों को जापानी, कोरियाई व अन्य भाषाओं में प्रशिक्षण देने पर व्यय किया जाना होगा ताकि इन देशों के बाजारों तक भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स की पहुंच बनाई जा सके। अब हम उम्मीद करें कि 4 जून के बाद गठित होने वाली देश की नई सरकार देश की नई पीढ़ी को आईटी के नए दौर की शिक्षा देने के लिए समुचित निवेश की व्यवस्था को उच्च प्राथमिकता देते हुए दिखाई देगी। हमें नए दौर की तकनीकी जरूरतों और इंडस्ट्री की अपेक्षाओं के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण से नई पीढ़ी को सुसज्जित करना होगा। हमें शोध, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के मापदंडों पर आगे बढना होगा। हमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, पायथन वर्चुअल रियल्टी, रोबोटिक प्रोसेस, ऑटोमेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डाटा एनालिसिस, क्लाउड कम्प्यूटिंग, ब्लॉक चेन और सायबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में युवाओं को कुशल बनाना होगा। निश्चित रूप से ऐसे बहुआयामी प्रयासों से देश में सेवा निर्यात की सुस्त होती हुई रफ्तार को बढ़ाया जा सकेगा और सेवा निर्यात की अधिक आय से विदेश व्यापार के घाटे में कमी लाई जा सकेगी।

विदेश व्यापार संबंधी नई रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि 4 जून के बाद गठित होने वाली भारत की नई सरकार की यह प्राथमिकता होनी चाहिए कि वह भारत की सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) में दिखाई दे रही ऊंची संभावनाओं को साकार करके बढ़ते विदेश व्यापार घाटे को कम करने की डगर पर आगे बढ़े।

दृष्टि कोण

सियासी शोरगुल में मतदाताओं की खामोशी

देश में तवील अर्से के बाद संयोग बना है कि लोकतंत्र का महापर्व कहे जाने वाले लोकसभा चुनाव तथा लोकप्रियता की बुलंदी को छूने वाले खेल क्रिकेट आईपीएल का शंखनाद एक साथ हुआ। आईपीएल का फाइनल 26 मई 2024 को सम्पन्न हो गया। 18वीं लोकसभा के लिए हो रहे सियासी संग्राम का परिणाम चार जून 2024 को ईवीएम से बाहर आएगा। क्रिकेट व सियासत का आपस में गहरा नाता तथा समानताएं रही हैं। दोनों ही खेल धनबल, कूटनीति व रणनीति से लबरेज तथा आम लोगों की पहुंच से दूर हैं। चुनाव हों या आईपीएल सरीखे टूर्नामेंट, हजारों करोड़ रुपए दांव पर लगे होते हैं। नतीजों को लेकर अटकलों का बाजार भी गर्म रहता है। सियासी शंतरज के माहिर खिलाड़ी सियासी रहनुमां मैदान-ए-सियासत में पलटी मार कर कब किस सियासी जमात में शामिल हो जाएं, पता नहीं। वहीं आईपीएल में कौनसा खिलाड़ी भविष्य में किस टीम का हिस्सा बन जाए, यह भी तय नहीं। क्रिकेटर हों या सियासी रहनुमां, देश में दोनों का रुतबा आम लोगों से ऊपर माना जाता है। सियासत में वर्चस्व बरकरार रखने व क्रिकेट में बादशाहत कायम रखने के लिए जुबानी जंग का दौर भी जारी रहता है। दोनों ही खेलों में परिणाम के बाद पलकों से जज्बातों का सैलाब भी छलकता है। चुनावी फिजाओं का रुख भांपने में माहिर सियासी वैज्ञानिक तथा

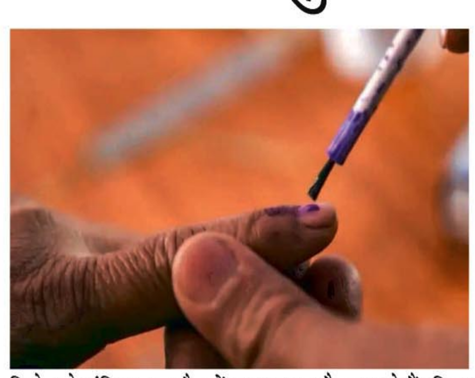

क्रिकेट के पंडित न्यूज चैनलों पर अक्सर मौजूद रहते हैं। जिस प्रकार क्रिकेट लोकप्रियता की बुलंदी पर काबिज हो चुका है, ठीक उसी प्रकार सियासत भी राष्ट्रीय खेल का रूप ले चुकी है। कई पूर्व नौकरशाह, सिल्वर स्क्रीन के अदाकार, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तथा मजहब के रहनुमां देश का पसंदीदा खेल बन चुकी सियासत में किस्मत आजमा कर जम्हूरियत की पंचायतों की शोभा बढ़ा चुके हैं तथा कई पहुंचने को बेताब हैं। सैकड़ों इंकलाबी युवाओं की कुर्बानियों के बाद बर्तानियां हुकूमत का सूर्यास्त हुआ तथा देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल हुई थी, लेकिन सियासत के बढ़ते खुमार के आगे देश के लिए राष्ट्रवाद के मजमून लिखकर जम्हूरी निजाम बहाल करने में कुर्बानियां देने वाले इंकलाबी चेहरे इतिहास में गुमनाम हो गए। वहीं अंग्रेजों की खेल विरासत क्रिकेट की लोकप्रियता ने अन्य खेलों व खिलाडियों को हाशिए पर धकेल दिया है। हमारे देश की करोड़ों आबादी बीपीएल की श्रेणी में जीवनयापन कर रही है, मगर विदेशी खिलाड़ी व कोच हर वर्ष आईपीएल में करोड़ों रुपए कमा रहे हैं। देश का लगभग प्रत्येक राज्य हजारों करोड़ रुपय का कर्ज लेकर 'चार्वाक' के सिद्धांत का अनुसरण पूरी शिद्दत से कर रहा है। लेकिन इक्तदार हासिल करने के लिए लोकलुभावन वादे न किए जाएं, तो सियासत की तासीर बिगड़ जाती है। जबकि सियासत का मिजाज बन चुके अधूरे सियासी वादों से परेशान होकर लोग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। विपक्ष में बैठकर सभी सियासी रहनुमां बेरोजगारी व महंगाई पर जोरदार ताकीद पेश करते हैं। बेशक प्रजातंत्र का सरमाया देश का शिक्षित वर्ग बेरोजगारी के सैलाब में फंस चुका है। आम लोग आसमान छू रही महंगाई से जूझ रहे हैं। लेकिन बेरोजगारी व महंगाई के बढ़ने के कारणों पर कभी तफसील से मंथन नहीं होता। चुनावी प्रचार के दौरान सियासी दल युवाओं को सरकारी नौकरियों के हसीन ख्वाब दिखाते हैं, नतीजतन युवा वर्ग रोजगार के लिए सरकारों पर ज्यादा निर्भर रहते हैं। दूसरी विडंबना यह है कि भारत में 'लार्ड मैकाले' द्वारा ईजाद किया गया तालिमी निजाम शारीरिक परिश्रम व जमीनी स्तर की मेहनत के बजाय सरकारी नौकरी को ज्यादा तरजीह देता है। इसी कारण अंग्रेजी झाडने वाली अफसरशाही तथा सियासी व्यवस्था धरातल पर सोज-ए-वतन की हकीकत से मुखातिब होने में नाकाम रही है। प्रजातंत्र की बुनियाद डिग्री धारक बेरोजगार युवाओं के हिज्र का दर्द तथा करोड़ों आबादी को खाद्यान्न उपलब्ध कराने वाले अन्नदाता किसानों की संवेदनाएं समझने में मुल्क का सियासी निजाम विफल रहा है। बेरोजगारी व बढ़ती महंगाई का सबसे बड़ा कारण तेज रफ्तार से बढ़ रही जनसंख्या है। वोट बैंक की सियासत के चलते बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने के मुद्दे पर सियासी दल गुफ्तगू करने से परहेज करते हैं। मुफ्तखोरी की भूमिका पर अंकुश लगाना मुश्किल हो चुका है। जिस तीव्रता से देश में जनसंख्या विस्फोट हो रहा है, उतने रोजगार उपलब्ध कराना किसी भी सरकार के लिए एक गंभीर चुनौती है। देश की सियासत ज्यादातर जाति, मजहब, आरक्षण, मुफ्तखोरी की खैरात, आरोप-प्रत्यारोप, दलबदल, चुनावी मंचों से जहरीली तकरीरें व विवादित बयानबाजी की तवाफ करती है, जबकि आम लोगों की कई समस्याएं चुनावी शोरगुल में दब कर रह जाती हैं।

कुछ अलग

स्वाह हुई मासूम जिंदगियां

आसमान से बरसती आग के बीच शनिवार को हुए दो अग्निकांडों में मासूमों व बच्चों की मौत ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलते राजकोट के गेमजोन में हुए अग्निकांड में बच्चों समेत 27 लोगों की मौत हो गई। वहीं दूसरी ओर जिंदगी की उम्मीद को लेकर बेबी केयर होम में रखे सात बच्चे असमय काल-कवलित हो गए। हरियाणा के बहुचर्चित डबवाली अग्निकांड में भी आपराधिक लापरवाही से सौ से अधिक बच्चों के मरने का जो सिलसिला देखा गया था, वह अब भी खत्म नहीं हुआ है। विडंबना देखिए कि गुजरात के राजकोट स्थित जिस गेम जोन को चार साल से चलाया जा रहा था, उसके पास फायर विभाग की अनुमति नहीं थी। लापरवाही की इंतहा देखिये कि गर्मी के मौसम में तेज हवा के दौरान वहां बच्चों व अभिभावकों की उपस्थिति के बीच वेल्डिंग का काम किया जा रहा था। जिसे आग लगने की वजह बताया जा रहा है। परिस्थितियां इतनी भयावह थी कि मृतकों के शव पहचानने मुश्किल हो रहे हैं और शवों के डीएनए नमूने लेकर उनकी पहचान की कोशिश की जा रही है। भयावह हादसे के बाद सख्त कार्रवाई, जांच, दंड, संवेदना और मुआवजे की घोषणा की औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। लेकिन यह कभी नहीं कहा जाता कि जिन अधिकारियों व विभागों की जिम्मेदारी इन लापरवाहियों पर नजर रखने की थी, उनके खिलाफ कौन सा सख्त कदम उठाया जा रहा है। बहरहाल, राजकोट में गेम जोन में हुए हादसे के बाद एक मैनेजर व अन्य व्यक्ति समेत दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है। हर बार की तरह एसआईटी का गठन हुआ है। कोई आयोग भी बैठ सकता है। लेकिन सवाल वही है कि समय रहते फायर एनओसी क्यों नहीं लिया गया? प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी देर से पहुंची। राजकोट के सिविल अस्पताल के बाहर अपनों के शवों की तलाश में खड़े लोगों की आंखों के आंसू व आक्रोश व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बताते हैं कि गेम जोन से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। बता दें कि मोरबी सस्पेंशन ब्रिज त्रासदी में मरने वालों में एक तिहाई बच्चे थे। सूरत में तक्षशिला कांप्लेक्स आग त्रासदी में 22 छात्रों की मौत हुई थी। लेकिन इन घटनाओं से भी कोई सबक प्रशासन ने नहीं सीखा। लगता है मासूमों व निर्दोष लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ की अनदेखी करना सिस्टम की आदत बन गई है। वडोदरा की हरणी झील में भी जीवन रक्षक जैकेट के बिना नाव में सवार 12 बच्चों व दो शिक्षकों की मौत इस साल जनवरी में हुई थी। वहीं दिल्ली स्थिति विवेक विहार के बेबी केयर सेंटर में सात नवजातों की मौत ने हर किसी को रुलाया। मां-बापों को अपने जिगर के टुकड़े खोने का समाचार सुबह टीवी व अखबारों से पता चला। एक बच्चे की देखभाल का प्रतिदिन पंद्रह हजार वसूलने वाले प्रबंधकों ने ही नवजातों को मौत की नींद सुला दिया। जिंदगियां छीनने वाले लोगों को शीघ्र सख्त सजा मिलनी चाहिए।

देश दुनीया से

निर्णायक क्षण- एक गलती से सदियों को सजा मिलेगी

पानीपत में एक निर्णय गलत हुआ- आपसी समझ और भोजन की जिम्मेदारी के अहंकार ने जीती बाजी हरवा दी। 1947 में सत्ताकामी नेताओं की महत्वाकांक्षाओं ने विभाजन का गलत निर्णय लिया, दस लाख हिन्दू सिखों का नरसंहार हुआ, उसके बाद आज तक हम युद्ध की निरंतर विभीषिका झेल रहें हैं। पटेल की जगह नेहरू को प्रथम प्रधानमंत्री बनाने का गलत निर्णय हुआ, देश ने तुरंत एक लाख पचीस हज़ार वर्ग किलोमीटर भूमि के हाथों खोयी, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सेना के स्थान पर केंद्रीय आरक्षी पुलिस की गश्ते लगवाईं। अक्साई चीन खोया। आज उसका दंश और निरंतर युद्ध हम झेल रहे हैं।

सही और गलत के मध्य बारीक धागे सा अंतर होता है लेकिन एक सही निर्णय राष्ट्र का निर्माण तो उसी गलत फैसला उस देश के लोगों को सदियों तक सजा देता है। ग़ज़नवी हज़ार मील से भारत आया, सोमनाथ तोड़कर हज़ारों को गुलाम बनाकर हमारी धरती से ले गया- सही निर्णय होता कि सब भेद स्वार्थ भूलकर उसको रोकते, ख़त्म कर देते। ऐसा नहीं हुआ, शताब्दियों तक भारत को दुःख और दासता झेलनी पडी। पानीपत में एक निर्णय गलत हुआ- आपसी समझ और भोजन की जिम्मेदारी के अहंकार ने जीती बाजी हरवा दी। 1947 में सत्ताकामी नेताओं की महत्वाकांक्षाओं ने विभाजन का गलत निर्णय लिया, दस लाख हिन्दू सिखों का नरसंहार हुआ, उसके बाद आज तक हम युद्ध की निरंतर विभीषिका झेल रहें हैं। पटेल की जगह नेहरू को प्रथम प्रधानमंत्री बनाने का गलत निर्णय हुआ, देश ने तुरंत एक लाख पचीस हज़ार वर्ग किलोमीटर भूमि के हाथों खोयी, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सेना के स्थान पर केंद्रीय आरक्षी पुलिस की गश्ते लगवाईं। अक्साई चीन खोया। आज उसका दंश और निरंतर युद्ध हम झेल रहे हैं। चुनाव भी केवल कुछ जाने अनजाने, अच्छे या कम अच्छे लोगों को लोकसभा भेजने का उपक्रम नहीं- यह राष्ट्र रक्षा के निमित्त युद्ध ही होता है जिसमें शताब्दियों भविष्य दांव पर लगा होता है। सही शासक राष्ट्र का नवीन निर्माण करते हैं- यदि विदेशी धन और मन वाले क्षुद्र विवेकी गए तो अच्छा खासा साम्राज्य ढहते देर नहीं लगती। देश रक्षा के निर्णायक क्षणों में भी बहुत से लोग कहते देखे गए- मोदी तो ठीक है लेकिन जिनको टिकट दिया गया उनमें बहुत से निकम्मे और संवेदनहीन हैं, या सारे कांग्रेसी भर दिए- अब हम किसको पहचाने? वे भूल जाते हैं की युद्ध के समय सेनापति के निर्णय पर बहस नहीं हो सकती- सिर्फ सेनापति को देखो, हर सैनिक में सेनापति की छवि देखो, देश विजयी बनाने के लिए कटिबद्ध होकर जूझो और विजयी होकर निकलो- बस यही एक लक्ष्य होता है। ग़ज़नवी और गोरी हमारे अपने उन पूर्वजों की कमजोरियों और इन्ही स्वार्थों के कारण आए और हमें लूट गए जो कहते थे, हमारा क्या, हम अपनी जमींदारी, अपने हित संभाल रहे हैं। मुट्ठी भर अंग्रेज तीस करोड़ भारतीयों पर ढाई सौ वर्ष राज कर गए- इन्ही स्वार्थी कूप मंडूक भारतीयों की सहायता से। इन्हीं भारतीयों ने अपने ही भारतीयों पर विदेशी शासकों के आदेश से जलियांवाला में गोलियां चलाईं और सावरकर जैसे हज़ारों क्रांतिकारियों पर अत्याचार किये। भगत सिंह, राजगुरु सुखदेव को फांसी देने के फैसले पर पाखंडी मुहर लगाने के लिए लाहौर के अंग्रेज जज को स्थानीय गवाहियां चाहिए थीं- तीन सौ सिख मुस्लिम और सनातनी हिन्दुओं ने गवाहियां दीं- वे सब भारतीय थे। उनके नाम राष्ट्रीय अभिलेखागार में फाइलों में हैं। सिर्फ राय साहबियत, राय बहादुरी खिताब लेने, साउथ नार्थ ब्लॉक बनाने की ठेकेदारी लेने हमने अपने देश के खिलाफ खड़े होने में लज्जा महसूस नहीं की। मुझे क्या मिलेगा? इसी प्रश्न पर हम देश की सदियों को ग़ुलामी और विनाश के अँधेरे में झोंक देने में संकोच नहीं करते। देश सिर्फ पानी बिजली और सडकों से नहीं बनता। राष्ट्र की आत्मा और चैतन्य होता है। उस चैतन्य को जागृत होते हम देख रहें हैं तो विदेशी शक्तियां बौखला गयीं हैं। हर कीमत पर वे इस चैतन्य यात्रा को रोकना चाहते हैं- स्वार्थी विकृत सोच के भारतीयों की ही मदद से। पराक्रमी और विजय की ओर उन्मुख नेतृत्व राष्ट्र निर्माण करता है, मुफ्त पानी, बिजली और लैपटॉप नहीं देता। बलिदानी सैनिकों की स्मृति यदि नागरिकों को सशक्त नेतृत्व निर्माण हेतु प्रेरित नहीं उनको राष्ट्र की किसी भी कल्याण योजना का लाभ उठाने का भी अधिकार नहीं हो सकता। क्या आज का भारत, अपने राष्ट्र के मूल स्वभाव और सभ्यता की रक्षा करने वालों के साथ पराक्रम दिखते हुए खड़ा होगा या ग़ज़नवी को रास्ता देने वालों की तरह केवल अपने लिए मुफ्त बिजली पानी मिलने तक सीमित रहेगा? पिछले वर्षों में खालिस्तान का आतंकवाद, कश्मीर से कोयंबटूर तक के जिहादी विस्फोट, हिन्दुओं का हर कदम पर अपमान, हर वर्ष होने वाले दंगे, पाकिस्तानी आतंकवाद, गरीबी का फैलाव, सडकों की जगह गड्ढे। राशन की तरह खुशामद कर करके गैस के सिलिंडर लेने की कवायद, कठिन और बेतरतीब रेल यात्रायें, विदेशों में हमारे प्रति एक तिरस्कार और गरीब-पिछड़े-सबसे भ्रष्ट देश होने की दृष्टि से भारतीयों की ओर देखने वाले विदेशी- क्या यह सब हम भूल गए और इसमें हुआ विराट परिवर्तन हममें कोई उत्साह और जोश पैदा नहीं करता? पांच सौ वर्ष तक चले संघर्ष के बाद भी अयोध्या में राम मंदिर का विरोध करने वाले हिन्दुओं ने अपनी पत्रिकाओं में वहां शौचालय बनाने के सुझाव दिए- इस मानसिकता को पराभूत किसने किया? किसने हिन्दू गौरव की पुनःस्थापना की? किसने कहा कश्मीर में एक भी सांप और जिहादी चोर को जिन्दा नहीं छोड़ेंगे? संघ के स्वयंसेवक और तपस्वी प्रचारक दीखते नहीं लेकिन देश बदल देते हैं। वे हज़ारों गैर काषाय वस्त्र धारी प्रचारक जिन्होंने मां से घर छोड़ते समय आशीर्वाद लेते हुए सिर्फ यही कहा था- भारत माता विजयी हो केवल यही अब जीवन का व्रत है- उनके तप के रंग के खिलने का समय यही है जब भारी मतदान द्वारा राष्ट्र घातक तत्वों को पराभूत करने का दम ख़म दिखाया जाये। उन्ही प्रचारकों में से एक नरेंद्र मोदी ने देश बदला, साहसिक निर्णय लिए और अब आधारभूत ऐसे परिवर्तन करने का समय है जिनसे आगामी सदियों का भारत सदैव के लिए शक्ति पथ पर चलेगा। यह नवीन भारत के लिए एक ऐतिहासिक निर्णायक क्षण है। कभी किसी को ऐसा लिखना न पड़े कि- लम्हों ने खता की थी- सदियों ने सजा पायी।

आप का नजरीया

हिमाचल के सियासी गुनाह

हिमाचल की सियासत सुरंग से आर और पार होती रही और प्रश्नों की मिलकीयत में हमेशा शिमला के सचिवालय का व्यवहार देखा गया। ऐसे में चंडीगढ़ के पंजाब सचिवालय या पंजाब विश्वविद्यालय में पढ़े पहाड़ी, जब हिमाचल में अपना ठौर बनाने लगे, तो ऊपरी से निचले हिमाचल की सरहदों में किसी ने सेब चुना, तो कोई गलगल की सडन में दब गया। राजनीति की अजीब नातेदारी है। यहां कुआं-कुएं से और पेड़-पेड़ से टकराते हैं। हैरानी यह कि हिमाचल में कद्दावर नेता आपस में टकरा कर राजनीति को घायल करते रहे। शांता कुमार मंत्रिमंडल में जगदेव चंद का वजन और दूसरी बार रणजीत सिंह से हुआ मुकाबला बताता है कि सियासत सबसे पहले अपनों की कब्रें खोदती रही है। चुनौती तो हिमाचल निर्माता को भी मिली और जब पंजाब के पर्वतीय इलाके प्रदेश में मिल रहे थे, तो किसी ने यह नहीं सोचा कि पौंग जलाशय से जुड़े अधिकार या बीबीएमबी की मिलकीयत में पैरोकार मिल जाएं। नतीजतन तत्कालीन हिमाचली सियासत ने इस मिलान में सियासी मिलावट देखी, वरना पंजाब पुनर्गठन के 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी से चंडीगढ़ में भी हमारा क्षेत्रीय ढांचा होता। तब राजनीति ने सुरक्षा के दायरों में शिमला में सारी सत्ता को आजमाने की कोशिश की और इस दृष्टि से पंजाब पुनर्गठन की दौलत ऐसी बिखरी कि आज तक संभल नहीं पाई। आश्चर्य है कि टिहरी गढ़वाल ने बांध परियोजना से न्यू टिहरी बसा लिया या नर्मदा परियोजना के बदले कई राज्यों ने अपने लिए नई आर्थिकी सुनिश्चित कर ली, लेकिन देश के सबसे बड़े विस्थापन यानी पौंग डैम से उजड़े तीस हजार परिवारों के बदले तत्कालीन वाईएस परमार सरकार कुछ न कह पाई। पर्वतीय क्षेत्रों का हिमाचल में मिलना और पौंग बांध से उजडना लगभग एक ही समय की दो घटनाएं हैं, जहां सियासत ने सिर्फ खुद को बचाने के लिए गुनाह नहीं किए, बल्कि ताकत भी खो दी। एक विधायक के रूप में डा. राजन सुशांत का ग्यारह महीने का धरना अपने आप में हिमाचली अधिकारों के प्रति एक मशाल की मानिंद था, लेकिन सियासत और समाज के पन्नों ने इसे भी मिटा दिया। यह अजीब सी बांध परियोजना न पहले हिमाचल को सींच रही थी और न इससे पैदा हुई बिजली से एक भी यूनिट प्रदेश को मिल रहा था। हमारी राजनीति में प्रदेश के नायकत्व, स्वाभिमान और स्वावलंबन को रेखांकित करने का न तो जज्बा है और न आत्मविश्वास, बल्कि ऐसी परिपाटी बन रही है कि चंद नेता अपनी ही सत्ता की बगावत में आलाकमान की जूतियां चाटकर पहलवान बनने के कौशल में प्रदेश के सियासी मुखौटे को वीभत्स कर रहे हैं। क्या एक प्रदेश की राजनीति में गुर्गे और मुर्गे चलेंगे। बेशक पार्टियों के केंद्रीय नेतृत्व का अपना नजरिया, राष्ट्रीय उत्कंठा और अनुशासन होगा, लेकिन हिमाचल की दृष्टि से राज्य स्तरीय नेतृत्व का कौशल अब आलाकमान की चापलूसी हो गई। कमोबेश हर राजनीतिक दल अब अपने प्रदेश प्रभारियों के मार्फत किसी न किसी गुट को प्रश्रय दे रहा है, जिसके नतीजे कमजोर सरकारें अब अपने आवरण में विश्वास पात्रों की परिधि समेटते-समेटते कुछ खास चेहरों तक सिमटने लगी हैं।

370 हटाने वाला ही वापस लाएगा पीओके : माधवी लता

हैदराबाद से भाजपा प्रत्याशी बोली, पीओके भारत का अटूट हिस्सा

वाराणसी (हिंस)। हैदराबाद से भाजपा की उम्मीदवार सामाजिक कार्यकर्ता माधवी लता ने कहा कि पीओके भारत का अटूट हिस्सा है। मजबूत सरकार ने 370 को खत्म कर दिया। अब वही, सरकार पीओके वापस लाकर भारत मां को ताज पहनाएगी। लोकसभा चुनाव में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को हैदराबाद में कड़ी टक्कर देने वाली माधवी लता मंगलवार को वाराणसी में थी। विशाल भारत संस्थान और मुस्लिम महिला फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में लमही स्थित सुभाष भवन में आयोजित 370 के खात्मे से पीओके की वापसी का सफर विषयक राष्ट्रीय परिचर्चा में माधवी ने भाग लिया। परिचर्चा में उन्होंने कहा कि आज कश्मीर का नौजवान खुश है, क्योंकि अब उसे आतंकवादी नहीं समझा रहा है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी अगर कश्मीर जा पा रहे हैं, तो वह आज का बदला हुआ माहौल है। उन्होंने कहा कि आरक्षण मजहब के नाम पर नहीं बल्कि गरीब, दलित, महिलाओं को मिलेगा जो सभी धर्म और पंथ पर लागू होगा। कश्मीर पुलवामा जिले के टहब गांव के सरपंच बेलाल अहमद ने परिचर्चा में कहा कि कल तक कश्मीर पर कोई भी निर्णय केंद्र सरकार नहीं ले सकती थी। 70 सालों में कश्मीरियों की जिन्दगी बर्बाद हो गई। न विकास, न प्रकाश था। भूख से बेहाल कश्मीरियों को मिलती थी सिर्फ गोलियां। क्षेत्रीय दल केंद्र का पैसा खुद खा गए। 370 के नाम पर आम कश्मीरियों का केवल शोषण हुआ। न शिक्षा मिली, न रोजगार केवल आतंकवादी होने का ठप्पा मिला। कश्मीर के सामाजिक कार्यकर्ता राजा रईस ने कहा कि 370 के खत्म होने से विकास की बयार बह रही है। केंद्र का पैसा गांवों तक पहुंच रहा है। हमारे कश्मीर का विकास देखकर पीओके के लोग तड़प रहे हैं। वे हमसे मिलना चाहते

हैं। अभी कश्मीर अधूरा है, जल्द ही कश्मीर का हिस्सा भी मिल जाएगा। पीओके में रहने वाले खुद हिंदुस्थान का झंडा उठा रहे हैं। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव ने कहा कि 370 की समाप्ति ने पीओके की वापसी का रोडमैप तैयार कर दिया है। पाकिस्तान के जुल्मों सितम ने पीओके के बच्चों को भी नहीं बख्शा। पीओके के लोग भारत की ओर देख रहे हैं। वहां तिरंगा फहराने के लिए हर भारतीय तैयार बैठा है। मोहम्मद फैज खान ने कहा कि भारत में रजाकारों की पार्टी हारेगी, राष्ट्रवादियों की पार्टी जीतेगी। कश्मीर हमारा है, हमारा ही रहेगा। जिन लोगों ने देश को धर्म के आधार पर बांटकर नफरत फैलाई, देश का विभाजन किया, देश उन्हें कभी माफ नहीं रहेगा। मोदी के नेतृत्व में देश में सामाजिक सौहार्द्र स्थापित किया जा रहा है। ठाकुर राजा रईस ने कहा कि भाजपा के दौर में कश्मीर में जितना कार्य हो रहा है उनता काम पिछले 70 साल की सरकारों में नहीं हुआ। फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नाजनीन अंसारी ने कहा कि जब हम राष्ट्रवादी सरकार का चुनाव करेंगे, तभी देश का विकास होगा। मोदी के नेतृत्व में मुस्लिम महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए तीन तलाक कानून लाया गया। पीओके को हम लेकर रहेंगे। यह तभी संभव है जब एक मजबूत सरकार बनेगी। परिचर्चा का संचालन डॉ. अर्चना भारतवंशी ने किया। परिचर्चा में गुलाब श्रीवास्तव, डॉ. नजमा परवीन, डॉ. मृदुला जायसवाल, आभा भारतवंशी, नौशाद अहमद दूबे, ज्ञान प्रकाश, मुस्ताक अहमद जई, बेलाल अहमद, इशफाक अहमद, विवेकानन्द सिंह, सचिन सिंह, अंकित सिंह, आकाश यादव, अफरोज, अनिल पांडेय, सत्यम, खुर्शीदा, राब्या, फरजाना, कमरून्निशा, नूरजहां, जुलेखा बीबी, शाहीना आदि ने भागीदारी की।

कांग्रेस-राजद के शासन में सुबह घोटाला शाम को ब्लास्ट मोदी राज में आंतकवाद का हुआ सफाया : आदित्यनाथ

पटना (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार शाम पटना साहिब लोक सभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में चुनावी जनसभा के दौरान कहा कि पहले कांग्रेस-राजद के शासनकाल में सुबह की शुरुआत घोटालों से होती थी और शाम होते-होते बड़ी ब्लास्ट की खबर आती थी। आज मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद दोनों का सफाया कर दिया गया है। सीएम योगी ने राजद पर तंज कसते हुए कहा कि राजद-कांग्रेस की सरकार में पहले बिहारियों को पहचान का भी संकट था। उन्होंने कहा कि राजद एक बार फिर से बिहार को लालटेन युग में ले जाना चाहती है। वह चाहते हैं कि बिहार में अंधेरा रहे। पहले न बेटी सुरक्षित थी और न व्यापारी सुरक्षित था। वर्ष 2017 के पहले यही स्थिति यूपी में थी लेकिन सात सालों में एक भी दंगा नहीं हुआ। जितने

दंगाईए थे उनका राम नाम सत्य किया, उन्हें हमने कब्र में भेज दिया। योगी ने कहा कि जिन लोगों ने गरीबों की जमीन पर कब्जा किया था, एक-एक कर सभी को छुड़ाए गए, नहीं तो बुलडोजर चला दिए गए। सीएम योगी ने कहा कि पूरा देश कह रहा है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। यह नया भारत है। अब एक पटाखा भी फूटता है तो पहले पाकिस्तान सफाई देता है कि इस धमाके में उसकी कोई भूमिका नहीं है। हम सभी अयोध्या और काशी पूरा कर चुके हैं। अब मथुरा की तरफ थोड़े-थोड़े आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा कि कृष्ण-कन्हैया के काम को राजद नहीं कर सकती।

लालू यादव का दावा, देश में चार जून को आईएनडीआई गठबंधन की बनेगी सरकार

पटना (हिंस)। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के मतदान से पहले राजद सुप्रीमो लालू यादव ने चार जून को केंद्र में बनने वाली सरकार की भविष्यवाणी कर दी है। लालू यादव ने मंगलवार को दानापुर के फुलवारीशरीफ स्थित इमारत-ए-सरीया में जनसंपर्क अभियान चलाया। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने चिरपरिचित अंदाज में कहा, *मोदी गए अब*। मुस्लिम टोपी पहनकर लालू मुसलमानों को बड़ा संदेश देने पहुंचे थे। लालू ने कहा कि नरेंद्र मोदी को देश की जनता ने नकार दिया। देश में चार जून को आईएनडीआई गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। इसके साथ नरेंद्र मोदी का सफाया हो जाएगा। उन्होंने कहा कि रिजल्ट के बाद पता चल जाएगा कि देश की जनता किसके साथ है। छह चरणों के परिणाम के बाद स्पष्ट है कि चार

जून को नतीजे इंडिया गठबंधन के पक्ष में आएंगे और हमलोग नई सरकार बनाएंगे। साथ ही कहा कि मोदी बोल रहे हैं कि वे अवतार हैं लेकिन इसका पता चल जाएगा। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण में बिहार की आठ सीटों नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट और जहानाबाद में वोटिंग होनी है। लालू प्रसाद की बड़ी बेटी मीसा भारती पाटलिपुत्र संसदीय सीट से चुनाव मैदान में हैं। यहां मीसा भारती और कभी राजद के बड़े नेता रहे भाजपा सांसद रामकृपाल यादव के बीच सीधी टक्कर है। यहां ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने भी उम्मीदवार खड़ा किया है। पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र में फुलवारीशरीफ आता है, जहां बड़ी संख्या में मुसलमान मतदाता है। लालू यादव यहां मुस्लिम मतदाताओं को अपने पक्ष में गोलबंद कर रहे हैं। क्योंकि, वे जानते है कि मीसा को जीताने में मुसलमानों के वोट अहम है। अब देखना होगा कि मुस्लिम मतदाता मीसा भारती को आशीर्वाद देते हैं या ओवैसी के साथ जाते हैं।

नए संसद भवन में लगाई जाए वीर सावरकर की प्रतिमा : अभिषेक अग्रवाल

मेरठ (हिंस)। अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सावरकर का 142वां जन्मोत्सव मनाया। इस दौरान हवन, पूजा-पाठ, अनुष्ठान के बाद मिष्ठान का वितरण किया गया। महासभा के जिलाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल ने नए संसद भवन में गांधी जी के स्थान पर वीर सावरकर की प्रतिमा लगाने की मांग की। शारदा रोड पर अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यालय में मंगलवार को महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित अशोक शर्मा के मार्गदर्शन में वीर सावरकर का 142वां जन्मोत्सव मनाया गया। महासभा के कार्यकर्ताओं ने वीर सावरकर के चित्र पर तिलक लगाकर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान वीर सावरकर के जीवन चित्रण का स्मरण किया गया। पं.अशोक शर्मा ने कहा कि विनायक दामोदर सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को हुआ था और उनकी मृत्यु 26 फरवरी 1966 को हुई थी। वे भारत के महान क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, इतिहासकार, राष्ट्रवादी नेता तथा विचारक थे। उन्हें प्राय: स्वातन्त्र्यवीर वीर सावरकर के नाम से सम्बोधित किया जाता है। हिंदू राष्ट्रवाद की राजनीतिक विचारधारा (हिंदुत्व) को विकसित करने का सबसे बड़ा श्रेय सावरकर को ही जाता है। उन्होंने परिवर्तित हिन्दुओं को हिंदू धर्म में वापस लौटाने के लिए सतत प्रयास किए और कई आंदोलन चलाए। वीर सावरकर एक कट्टर तर्कबुद्धिवादी व्यक्ति थे जो सभी धर्मों के रुढ़िवादी विश्वासों का विरोध करते थे। हिंदू महासभा के जिलाध्यक्ष और प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुला पत्र भेजकर नए संसद भवन में महात्मा गांधी के स्थान पर वीर सावरकर की प्रतिमा स्थापित करने की मांग करेंगे। इसके साथ ही वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग उठाई। कार्यक्रम में हिंदू डिफेंस लिंग के राष्ट्रीय संयोजक निशांत, जिंदल महानगर अध्यक्ष भरत राजपूत, महानगर उपाध्यक्ष शेखर पंडित, विक्की कुमार, महानगर मंत्री प्रथम दीक्षित, हनी कुमार, मीडिया प्रभारी ललित कुमार, प्रचार मंत्री अरविंद शर्मा, कार्यालय मंत्री दीपक शर्मा, शानू गोयल आदि उपस्थित रहे।

सपा प्रत्याशी राजीव कुमार के समर्थन में डिंपल करेंगी प्रचार

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) की मैनपुरी से लोकसभा सांसद डिंपल यादव आज (मंगलवार) को मऊ जनपद के दौरे पर पहुंचेंगी। यहां पर वह प्रत्याशी राजीव कुमार राय के समर्थन में चुनावी जनसभा को सम्बोधित करेंगी। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने बताया कि लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में एक जून को मतदान होना है। जिन सीटों पर मतदान होना है उन निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव प्रचार के लिए पार्टी नेतागण और संगठन पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई हैं। इसी क्रम में लोकसभा क्षेत्र घोसी में सपा व इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी राजीव कुमार राय के समर्थन में आज मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव अंतिम चरण में होने वाले चुनाव से पूर्व जनसभा को सम्बोधित करने पहुंचेंगी।

मामी के प्यार में पागल भांजा ने मामा संग मिल बोलेरो चालक संजीत की हत्या की

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले में हरसिद्धि थाना क्षेत्र के उज्जैनलोहियार डोभी टोला में हुई बोलोरो चालक संजीत सहनी हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे के अंदर उद्भेदन कर तीनों हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त दुपट्टा, गंडासी व तीन मोबाइल भी बरामद किया है। इसकी जानकारी देते अरेराज डीएसपी रंजन कुमार ने पत्रकारों को बताया कि 26 मई की रात उज्जैन लोहियार के रहने वालें दसई सहनी का पुत्र संजीत सहनी बोलेरो लेकर बारात में कोटवा गया था। सुबह 27 मई को उसकी शव डोभी टोला नदी किनारे से पुलिस ने बरामद किया था। मामले में संजीत के पिता ने अज्ञात अपराधी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके बाद एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर अरेराज डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। जिसमे पुलिस पदाधिकारी के साथ ही हरसिद्धि थाना के चौकीदार तफसीर आलम खां, मनु यादव व दफादार राजेश्वर गिरि को शामिल किया गया। टीम ने सोमवार की रात में ही मानिकपुर कुशवाहा टोला के नागेंद्र प्रसाद के पुत्र अभिषेक को पकड़ा। जिसका जूता घटना स्थल पर छुटा था। उसने पुलिस के समक्ष ज्यादा देर तक अपना अपराध नहीं छुपा पाया। उसने पुलिस को बताया कि मामी नेहा देवी के साथ उसका अवैध संबंध था। नेहा देवी से संजीत का भी अवैध संबंध था। यह मुझे बर्दाश्त नहीं हुआ।

पाकिस्तान में बैठे दो आतंकी आकाओं की बारामूला में संपत्तियां कुर्क

बारामूला (हिंस)। बारामूला में पुलिस ने दो आतंकी आकाओं की संपत्तियों को कुर्क कर लिया है। दोनों मौजूदा समय में पाकिस्तान से अपना आतंकवादी नेटवर्क चला रहे हैं। कुर्क की गई संपत्ति (3 कनाल और 19 मरला) लाखों रुपये की जमीन जम्बूर पट्टन निवासी राज मोहम्मद के बेटे जलाल दीन और कमलकोट उड़ी निवासी मस्ताना भट्टी के बेटे मोहम्मद साकी की है। अधिकारियों ने कहा कि ये दोनों आतंकी संचालक पाकिस्तान से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह कार्रवाई 83 सीआरपीसी की धाराओं के तहत की गई है और यह एफआईआर संख्या 34/1995 के तहत धारा 7/25 भारतीय शस्त्र अधिनियम, 4 टाडा अधिनियम और 105/1996 के तहत पुलिस थाना उड़ी की धारा 2/3 ईआईएमसीओ अधिनियम के तहत जुड़ी हुई है। पुलिस की जांच व पूछताछ के दौरान संपत्ति की पहचान की गई। पिछले महीने भी पुलवामा में पुलिस ने एक मंजिला आवासीय घर को जब्त कर लिया था।

उदयपुर में फूड पॉइजनिंग से 3 की मौत

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर जिले के जनजाति बहुल कोटड़ा क्षेत्र में 3 लोगों की फूड पॉइजनिंग से मौत हो गई है। सोमवार रात एक सामूहिक भोज के बाद यह घटना हुई। जानकारी के अनुसार यह मामला सोमवार रात का है। क्षेत्र के सावन क्यारा गांव में शादी का सामूहिक भोज कार्यक्रम था। भोजन के बाद शराब का भी सेवन हुआ। इसके बाद कई लोग बीमार हो गए। बीमार लोगों को तुरंत कोटड़ा हॉस्पिटल में ले जाया गया। सूचना पाकर कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी भी पहुंचे। गंभीर मरीजों को तुरंत गुजरात रेफर किया गया। देर रात कुछ ग्रामीणों की तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। इनमें से तीन लोगों ने दम तोड़ दिया। 22 से ज्यादा अब भी गंभीर है। बीमार होने वालों में कोटड़ा के बोरड़ी कला और गोंदलवाड़ा गांव के ग्रामीण शामिल हैं। पुलिस भी मौके पर मौजूद है।

बिहार की सियासत में चार जून के बाद फिर से होगा बड़ा उलटफेर : तेजस्वी

पटना (हिंस)। लोकसभा चुनाव के अंतिम क्षणों में राजनेता एक से बढ़कर एक दावे कर रहे हैं। इस बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में इशारों-इशारों में कह दिया कि बिहार की सियासत में चार जून के बाद फिर से बड़ा उलटफेर हो सकता है। तेजस्वी ने दावा किया कि चुनाव के नतीजे आने के साथ ही नीतीश कुमार एक बार फिर से पलटी मारकर महागठबंधन के साथ आ जाएंगे। नीतीश कुमार चार जून के बाद किसी भी वक्त बड़ा फैसला ले सकते हैं। तेजस्वी ने कहा कि पीएम ने सच ही कहा है कि चार जून के बाद देश में नया दौर शुरू हो जाएगा। उन्होंने ऐसा इसलिए कहा कि वह जानते हैं कि चार जून के बाद भाजपा सफाचट हो जाएगी और जहां बिहार की बात है तो चार जून के बाद हमारे चाचा पिछड़ों की राजनीति और अपनी पार्टी को बचाने के लिए कोई भी बड़ा फैसला ले सकते हैं।

पूर्व विधायक बिधूड़ी के खिलाफ मामला दर्ज, अपहरण व लूट के प्रयास का आरोप

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। बेगूं के पूर्व विधायक राजेंद्रसिंह विधूड़ी का विवादों से पुराना नाता रहा है। विधायक रहते हुए और बाद में भी विवाद और प्रकरण उनका पीछा नहीं छोड़ रहे हैं। सत्ता में नहीं रहने के बावजूद एक बार फिर से विधूड़ी चर्चा में आ गए हैं। विधायक रहते हुए वर्ष 2021 में मनोहर कॉटन मील की जमीन के मामले में उनकी काफी किरकिरी हुई थी। वहीं अब इसी मामले में पूर्व विधायक विधूड़ी और उनके खास सरपंच सहित अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ अपहरण व लूट के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं के प्रकरण दर्ज हुआ है। रिटायर्ड एएसपी ने मनोहर कॉटन

मील के मामले में ही अब प्रकरण दर्ज करवाया है। गंगरार थाना पुलिस ने विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गंगरार सीआई मोतीराम सारण ने बताया कि गंगरार थाने में प्रार्थी पूरण सिंह पुत्र मदन सिंह भाटी ने 21 अगस्त 2021 के दिन हुई घटना को लेकर प्रकरण दर्ज करवाया है। इसमें बताया कि प्रार्थी घटना के दिन अपने सहयोगी राजेश व अन्य के साथ मनोहर कॉटन मील की जमीन पर कार्य करवा रहे थे। इसी दौरान रतन जाट, राजेंद्र सिंह बिधूड़ी, पप्पू गुर्जर सहित अन्य लोग आए। इन्होंने प्रार्थी व अन्य के साथ धक्का मुक्की करते हुए गाली गलौज की। राजेंद्र सिंह बिधूड़ी और इसके साथियों ने प्रार्थी का मोबाइल छीनने का प्रयास किया। प्रार्थी के अपहरण का भी प्रयास किया। बाद में पुलिस थाने में ले गए। यहां भी प्रार्थी के साथ गाली गलौज की। बिधूड़ी थानाधिकारी की सीट पर जाकर बैठ गया। हम बैंच पर बैठे थे तो बिधूड़ी आया और नीचे बिठाया दिया। यहां भी गाली गलौज की गई। बाद में बिधूड़ी हमें बंद करने की कह कर वहां से चला गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने षडयंत्र रचने, अपहरण एवं लूट के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज करवाया है। पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर देवदा निवासी पप्पू पुत्र चतरु गुर्जर, तत्कालीन विधायक आदर्श नगर रावतभाटा निवासी राजेंद्र सिंह बिधूड़ी पुत्र हरबंश सिंह तथा लाडपुरा उर्फ लोडीपुरा निवासी रतन पुत्र परथु जाट को नामजद किया है।

पत्रकारिता में निष्पक्षता के साथ पारदर्शिता होनी चाहिए : महेन्द्रनाथ

मीरजापुर (हिंस)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक स्व. बाबू बालेश्वरलाल की 37वीं पुण्यतिथि विंध्यमंडल उत्थान सेवा समिति विद्यालय ददरा राजगढ़ के सभागार में सोमवार की देर शाम आयोजित की गई। मुख्य अतिथि प्रदेश महासचिव संगठन महेंद्रनाथ सिंह ने कहा कि पत्रकारिता में निष्पक्षता के साथ पारदर्शिता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब कोई पत्रकार का उत्पीड़न नहीं कर सकता। यदि कोई किसी पत्रकार साथी का उत्पीड़न करेगा तो पूरा संगठन उसके साथ है। पत्रकार घटनात्मक या विवादित खबर प्रकाशन से पहले संबंधित उच्चधिकारियों से वर्णन लेकर अवश्य लगाएं। कार्यक्रम को क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन अमर बहादुर ने संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकार समाज का चौथा स्तम्भ है। जनता की समस्यात्मक आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाता है। तहसील अध्यक्ष रघुबर प्रसाद मौर्य ने मंचासीन अतिथियों को अंगवस्त्रम से सम्मानित किया।

बीकानेर : भीषण गर्मी में अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनो की सेवार्थ बढ़ते कदम

बीकानेर (हिंस)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी द्वारा इस भीषण गर्मी और हिटवेव के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए शहर के अनेक भामाशाहों से संपर्क कर उन्हें भर्ती मरीजों को कुछ राहत दिलवाने का आग्रह किया। इस पर शहर के विभिन्न भामाशाह दिल खोल कर आगे आए और इस धर्म नगरी को भामाशाहों की नगरी होने का आभास करवाया। इस क्रम में मंगलवार को सुबह लोटस डेयरी की ओर से 2000 पैकेट छाछ का निशुल्क वितरण किया गया। प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी ने इस कदम के लिए लोटस परिवार के अरूण मोदी तथा सुशील मोदी का आभार प्रकट किया। डॉ. सोनी ने कहा कि लोटस ग्रुप द्वारा नौतपा के नौ दिन तक लगातार पीबीएम में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए प्रतिदिन 2000 पैकेट छाछ का नि:शुल्क वितरण किया जाएगा। इस दौरान अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. रेखा आचार्य, कॉर्डिनेटर गौतम लूणीया, रवि बजाज, विनय थानवी तथा लोटस परिवार की आरे से सुनील पुरोहित आदि उपस्थित रहे। गर्मी में मरीजों को राहत प्रदन करने के क्रम में श्रीकृष्ण सेवा संस्थान की ओर से प्रतिदिन 300 से 400 ठण्डे पानी के कैम्पर मार्दाना तथा ट्रॉमा सेंटर के पास लगाए जा रहे है। मारवाड जन सेवा समिति द्वारा रोजाना 100 कैंपर बच्चा अस्पताल के आगे लगाए जा रहे है तथा जनाना अस्पताल

के बाहर 60 मटकीयां लगाई गई है जिसे दिन में तीन से चार बार भरी जाती है। इसी क्रम में बालचंद राठी मेमोरिय ट्रस्ट एवं मोहनसिंह वेलफेयर सोसायटी के माध्यम से प्रतिदिन 20 कुलर भर्ती मरीजों को उपयोग के लिए दिए जा रहे है। इसके अलावा बीकानेर के गणमान्य भामाशह मिलकर कुल 12 बड़े साइज के कुलर भेट करने जा रहे है। इसी के साथ मेडिकल कॉलेज के डॉ. विनोद छिम्पा ने बताया की माइक्रोबाईलॉजी विभाग के सीनियर डेमोस्ट्रेटर दीप शिखर आचार्य ने गायनी विभाग के एम 2 वार्ड मे जम्बो साइज कूलर भेंट किया है। वहीं डॉ. लांग सिंह सोढा, मोहित व लोकेन्द्र सहित अन्य जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स ने मिलकर फार्माकॉलोजी विभाग मे 2 एयर कंडीशनर भेंट किए है। प्राचार्य डॉ. सोनी ने मानव कल्याण हेतु उठाए गए कदम के लिए सभी भामाशाहों का आभार जताया।

बांदा में आसमान से बरसी आग, 49 डिग्री पारा पहुंचने पर केन नदी में हजारों मछलियों ने दम तोड़ा

बांदा (हिंस)। जिले में आसमान से बरस रही आग से तापमान उछलकर 49 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। जिससे लोग गर्मी से बिलबिला उठे। सड़कें सूनी हो गई, बाजार में सन्नाटा छा गया। गर्मी के कारण लोग सुबह से ही घरों में दुबके रहे। पंखे-कूलर गर्म हवा फेंक रहे हैं। प्रचंड गर्मी का पशु-पक्षी और जीव-जंतुओं पर भी खासा असर पड़ा है। केन नदी का पानी गर्म हो जाने से हजारों की संख्या में छोटी-छोटी मछलियां मर गई हैं। कुल मिलाकर भीषण गर्मी से जनजीवन अस्त्र-व्यस्त हो गया है। जिले में मई माह की शुरुआत से ही तापमान बढ़ने का सिलसिला शुरू हो गया था। पहले तो तापमान 45 और 46 डिग्री के आसपास टिका रहा। लेकिन नौतपा शुरू होते ही तापमान में और इजाफा होने लगा। मंगलवार को सुबह से ही गर्म लू के थपेड़े चलने लगे। शरीर को झुलसा देने वाली चिलचिलाती धूप से लोग बिलबिला उठे। सुबह 9 बजे से ही लू चलने से लोग 11 बजे अपने अपने घरों में दुबक गए थे। जिससे सड़कें के सूनी हो गई। सड़कों पर इक्का-दुक्का वाहन और लोग ही नजर आ रहे थे। इधर, पारा बढ़ता

रहा और दो से तीन बजे के बीच पार उछलकर 49 डिग्री पर पहुंच गया। इससे पहले 16 मई 2022 को भी प्रचंड गर्मी के कारण पार बढ़कर 49 डिग्री पहुंच गया था। उस समय बांदा उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक गर्म जिला था और भारत में तीसरा स्थान था, जहां 49 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकार्ड किया गया था। इधर, गर्मी के कारण केन नदी का पानी गर्म हो जाने से छोटी-छोटी हजारों की तादाद में मछलियां मर गई हैं जो पानी में उतर रही हैं। वहीं सोमवार को गर्मी के कारण जहरीले हुए घास के खाने से नरैनी तहसील के मोतिहारी गांव में एक दर्जन गोवंशों की मौत हो गई है। गर्मी के चलते ही जिला अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़ है। डायरिया, हीट स्ट्रोक और बुखार से पीडि़त मरीजों की तादाद बढ़ने से अस्पताल में मरीज भर्ती करने के लिए जगह नहीं है। जिन्हें बेंच या जमीन में लिटाकर इलाज किया जा रहा है। इस संबंध में कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर दिनेश शाह ने बताया कि मंगलवार को बांदा में सर्वाधिक 49 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकार्ड किया गया।

स्पाइसजेट का पलटवार, केएएल व कलानिधि मारन के 1323 करोड़ के दावों को कानूनी रूप से गलत बताया

नई दिल्ली।
केएएल एयरवेज और कलानिधि मारन के 1,323 करोड़ रुपये से अधिक के मुआवजे के दावे को स्पाइसजेट ने निराधार और कानूनी रूप से गलत बताया है। केएएल एयरवेज और कलानिधि मारन ने कहा था कि वे स्पाइसजेट और उसके प्रमुख अजय सिंह से 1,323 करोड़ रुपये से अधिक के मुआवजे की मांग करेंगे। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में स्पाइसजेट ने कहा कि वह केएएल एयरवेज और मारन द्वारा 1,323 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग को सिरे से खारिज करती है। एयरलाइन ने फाइलिंग में कहा, ये दावे न केवल कानूनी रूप से आधारहीन हैं, बल्कि मध्यस्थता न्यायाधिकरण और फिर दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा पहले खारिज किए गए दावों के प्रतिशोध में किए गए हैं। विमानन कंपनी के मुताबिक, केएएल एयरवेज और मारन ने शुरुआत में मध्यस्थता प्रक्रिया के दौरान 1,300 करोड़ रुपये से अधिक के मुआवजे की मांग की थी। उन्होंने कहा, %इस दावे की गहनता से जांच की गई और बाद में उच्चतम न्यायालय के तीन सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के पैनल ने इसे खारिज कर दिया। इसके बाद केएएल एयरवेज और कलानिधि मारन ने दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ के समक्ष अपील कर क्षतिपूर्ति राशि की मांग की, जिसे अदालत ने फिर खारिज कर दिया। स्पाइसजेट ने यह भी कहा कि दोनों पक्षों ने अपीलीय क्षेत्राधिकार के समक्ष किसी भी अपील को आगे नहीं बढ़ाने का विकल्प चुना और परिणामस्वरूप, मामले को अंतिम रूप दिया गया। इससे पहले 17 मई को अदालत की खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश की उस पीठ के आदेश को निरस्त कर दिया था, जिसमें मारन को 579 करोड़ रुपये और ब्याज लौटाने के फैसले को बरकरार रखा गया था। पीठ ने 31 जुलाई, 2023 को पारित एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाले सिंह और स्पाइसजेट द्वारा दायर अपीलों को अनुमति देते हुए मध्यस्थ पुरस्कार को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर नए सिरे से विचार करने के लिए मामले को संबंधित अदालत में वापस भेज दिया था। उसके बाद, मारन और उनकी फर्म केएएल एयरवेज ने अपने अधिवक्ता के साथ परामर्श के बाद फैसले को चुनौती देने का निर्णय किया।

न्यूज़ ब्रीफ

वाबैग को ओमान से मिला 85 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट, डिसेलिनेशन प्लांट का रखरखाव करेगी कंपनी

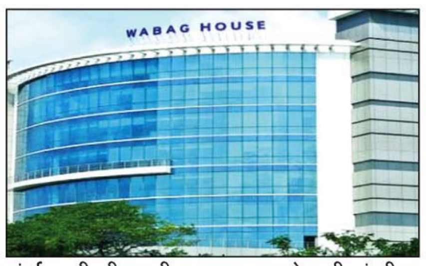

मुंबई। पानी की तकनीक पर काम करने वाली कंपनी वा टेक वाबैग की ओर से कहा गया कि कंपनी को ओमान की नामा वाटर सर्विसेज से पांच वर्षों तक अल–दुक्म डिसेलिनेशन प्लांट के संचालन और रखरखाव का ठेका मिला है। इसके सौदे की वैल्यू करीब 85 करोड़ रुपये है। चेन्नई के मुख्यालय वाली कंपनी वाबैग द्वारा ही 10 वर्ष पहले इस डिसेलिनेशन प्लांट को निर्माण किया गया था और 2018 तक कंपनी ही इसके संचालन और ऑपरेशन का कार्यभार संभालती थी। कंपनी के जीसीसी के सेल्स और बिजनेस डेवलपमेंट डायरेक्टर, सुब्रमण्यम एम ने कहा कि ओमान में मिला यह ऑर्डर हमारी ग्रोथ की रणनीति के मुताबिक है। इससे हमारे संचालन और रखरखाव की ऑर्डर बुक मजबूत होगी। एन्युटी इनकम हमें बेहतर कैश फ्लो और अच्छी आय हासिल करने में मदद करेगी। कंपनी ने अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि इस प्लांट से उत्पादन होने वाले पानी का इस्तेमाल अल वुस्टा गवर्नरेट के दुक्म और हैमा क्षेत्रों में घरेलू खपत के लिए किया जाएगा। सुब्रमण्यम ने आगे कहा कि हम नामा वाटर सर्विसेज का धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने हमारी टेक्निकल क्षमता पर विश्वास जताया। इसके कारण हमें दोबारा ऑर्डर मिल रहे हैं। वाबैग एक वाटर टेक्नोलॉजी कंपनी है। यह राष्ट्रीय के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कार्य करती है। कंपनी सरकार के साथ इंडस्ट्रीज को भी वाटर सॉल्यूशंस उपलब्ध कराती है।

चौथी तिमाही में एलआईसी का मुनाफा 13762 करोड़ रुपये, यस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक पर आरबीआई की कार्रवाई

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम यानी एलआईसी ने चौथी तिमाही के लिए अपने नतीजों का एलान कर दिया।

सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि मार्च तिमाही में कंपनी को 13,762 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ। मार्च 2024 तिमाही के नतीजों के साथ ही कंपनी ने निवेशकों के लिए 6 रुपये प्रति शेयर के लाभांश का भी एलान किया है। मार्च 2024 तिमाही में कंपनी का मुनाफा पिछले वित्तीय वर्ष के समान तिमाही के 13,191 करोड़ रुपये की तुलना में 4.5 प्रतिशत अधिक है। आरबीआई ने यस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक पर जुर्माना लगाया रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने निजी क्षेत्र के दो बैंकों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया। केंद्रीय बैंक ने बताया कि यस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक कई नियमों का उल्लंघन करने के दोषी पाए गए हैं। इसके चलते आरबीआई ने यस बैंक पर 91 लाख रुपये और आईसीआईसीआई बैंक पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने का फैसला किया। यस बैंक ने कस्टमर सर्विस से जुड़े नियमों का नहीं किया पालन आरबीआई ने जानकारी दी कि यह दोनों बैंक कई दिशा–निर्देशों का पालन नहीं कर रहे थे। आरबीआई के मुताबिक यस बैंक पर ग्राहक सेवाओं और आंतरिक व ऑफिस अकाउंट से जुड़े दिशानिर्देशों के उल्लंघन का आरोप था।

नए फोन का टीज़र वीडियो लावा ने जारी किया

नई दिल्ली । भारत में लावा कंपनी ने अपने नए फोन का टीज़र वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी कर दिया है। नए फोन के डिज़ाइन की झलक देखी जा सकती है। टीज़र में आने वाले फोन के कुछ कैमरा फीचर्स को लेकर भी कंफर्मेशन हो गई है। बता दें कि इस साल के शुरुआत में कंपनी के एक और मॉडल को लेकर जानकारियां लीक हो रही हैं, और लावा युवा 4 प्रो 5जी की कुछ फोटो भी पहले ही लीक हो चुकी है। आधिकारिक तौर पर टीज़ किए गए डिज़ाइन को देख कर ये माना जा रहा है कि कंपनी इसी फोन को लावा युवा 5जी के रूप में लॉन्च किया जा सकता है। एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में, लावा मोबाइल के ऑफिशियल हैंडल ने 'युवा 5जी ड्ड कमिंग सून!' टेक्स्ट के साथ एक स्मार्टफोन का 14–सेकेंड का टीज़र जारी किया है। बता दें कि ये फोन कंपनी का पहला 5जी युवा–सीरीज़ फोन होगा। हालांकि कंपनी ने इसके किसी भी स्पेसिफिकेशन का खुलासा नहीं किया है, लेकिन जारी किए गए वीडियो में इसके डिजाइन और कैमरा सेटअप का खुलासा कर दिया गया है। फोन को देख कर ऐसा लगता है कि लावा युवा 5जी में लावा ब्रांडिंग के साथ एक रेक्टैंगुलर बॉक्सी डिज़ाइन होगा और 5जी टेक्स्ट वर्टिकली देखा जा सकेगा। फोन में डुअल रियर कैमरा सेटअप के साथ बीच में सर्कुलर कैमरा मॉड्यूल दिया जा सकता है। इसके प्राइमरी कैमरा में 50 मेगापिक्सल का सेंसर होगा, लेकिन फिलहाल सेकेंडरी कैमरे के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

सरकारी एजेंसियों के सरसों खरीदने से किसानों को राहत, पर कीमत बढ़ने से ग्राहक परेशान

मुंबई।
सरकार की ओर से सरसों की खरीदारी करने से किसानों को तो लाभ मिल रहा है लेकिन इसकी वजह से सरसों के तेल के भाव में तेजी आई है और आदमी को सरसों के तेल के लिए अधिक खर्च करना पड़ रहा है। वहीं जीरे के दाम में भी तेजी देखी जा रही है। पिछले दिनों दाल के भाव में बढ़ोतरी देखने को मिली थी, तो अब सरसों के तेल के साथ मसाले में जीरे ने भी भाव का तड़का लगा दिया है। एक महीने में जीरे के भाव 260 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 385 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही सरसों के तेल के भाव में 16 रुपये प्रति किलो की तेजी आई है।

जानकारों का कहना है कि इसकी मुख्य वजह सरकारी एजेंसियों द्वारा सरसों की खरीदी की जानी है। इससे किसानों को तो राहत मिल गई है लेकिन आम आदमी को सरसों के तेल के लिए अधिक खर्च करना पड़ रहा है। सरसों का तेल 1030 रुपए प्रति 10 किलो से बढ़कर 1190 रुपये प्रति 10 किलो पर पहुंच गया है।

भाव बढ़ने के प्रमुख कारण – अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया (कैट) महाराष्ट्र के महामंत्री शंकर ठक्कर ने बताया कि सरसों तेलों में अचानक से तेजी आने की वजह कुछ बड़े खिलाड़ियों द्वारा खेल किया गया है ऐसा दिख रहा है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेलों के दामों में बड़ी वृद्धि नहीं हुई है लेकिन देसी तेल जिसमें खासकर मूंगफली और सरसों के दामों में बड़ी वृद्धि देखने को मिल रही है, हालांकि चुनाव के बीच सरकारी एजेंसियों ने आक्रामकता से सरसों की खरीदी की है। इससे किसानों को थोड़ी राहत मिली है और दाम एमएसपी के करीब पहुंच गए हैं। लेकिन ग्राहकों को परेशानी हो रही है।

जानकारों का कहना है कि बीते कुछ दिनों सरसों के दाम में जो तेजी है उसके पीछे का कारण सोयाबीन के उत्पादक देश ब्राजील में बाढ़ का आना है। इस वजह से सरसों के तेल की मांग बढ़ी है। विदेश में भी भाव बढ़े और वहां से आयात होते तेल के भाव में थोड़ी मजबूती आई। एक अन्य कारोबारी राहुल जैन का कहना है कि देश में सरसों की पैदावर अधिक होने की बात कही जा रही है, लेकिन अब पैदावार का अनुमान अब 25 प्रतिशत कम कहा जा रहा है।

सरसों तेल के उद्यमी गोविंद सिंह बताते हैं कि सरसों के तेल के दाम पिछले कुछ दिनों में बढ़े हैं। इसी तरह इसकी खली के दामों में बढ़ोतरी हो रही है। उनका कहना है तेजी आगे जारी रहने का अनुमान है। बड़ी फैक्ट्रियों की मांग पूरी न होने की वजह से भी सरसों के भाव में तेजी आई है।

जीरे के भी भाव बढ़े – जीरे के भाव में आई तेजी पर मुंबई के मसाला थोक व्यापारी हरि गाला का कहना है कि जीरा की पैदावार अधिकतर गुजरात में होती है। जबकि इस साल जीरा की पैदावार अच्छी हुई है लेकिन पिछले साल के भाव को देखते हुए कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भंडारण और किसानों ने जीरा को बाजार में आने से रोक लिया है इसके कारण जीरा के भाव में तेजी देखने को मिल रही है।

सरकारी कर्मचारियों के लिए बेहद खास है जुलाई, महीने की शुरुआत में ही अकाउंट में आएगा पैसा

नई दिल्ली। सरकारी कर्मचारी जुलाई के महीने का इंतजार रहता है। इस महीने सरकार कर्मचारियों को दोहरा फायदा देती है। जुलाई के महीने में महंगाई भत्ते में इजाफा होता है तो इसके साथ कर्मचारियों की सैलरी में भी बढ़ोतरी होती है। इसका फायदा निचले स्तर के कर्मचारी से लेकर आला–अधिकारी तक को मिलता है। आपको बता दें कि सरकार साल में दो बार महंगाई भत्ता और एक बार सैलरी में बढ़ोतरी करती है। इस साल भी जुलाई में सरकारी कर्मचारियों की सैलरी इंक्रीमेंट और डीए में इजाफा होगा। वैसे तो जनवरी में सरकार ने महंगाई भत्ता बढ़ाया था पर जुलाई में फिर से डीए बढ़ता है। आइए, उदाहरण की मदद से समझते हैं कि डीए और सैलरी बढ़ने के बाद कर्मचारियों को कितना पैसा बढ़कर मिलेगा कितना बढ़ेगा डीए सरकार ने जनवरी में 4 फीसदी महंगाई भत्ता बढ़ाया था। ऐसे में इस बार भी उम्मीद है कि जुलाई में फिर से 4 फीसदी डीए बढ़ जाएगा। इसे ऐसे समझिए कि अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 50,000 रुपये है तो उसका 4 फीसदी 2,000 रुपये होगा। इसका मतलब है कि कर्मचारी का डीए 2,000 रुपये बढ़ोगा यानी जुलाई की सैलरी में कर्मचारी को 2,000 रुपये ज्यादा मिलेगा। कितना होगा इंक्रीमेंट हर साल जुलाई में कर्मचारियों की सैलरी में लगभग 3 फीसदी का इजाफा होता है। इसका मतलब है कि अगर कर्मचारी की बेसिक सैलरी 50 हजार रुपये है तो उसका 3 फीसदी 1,500 रुपये होता है। यानी कि कर्मचारियों की सैलरी में 1,500 रुपये की बढ़ोतरी होती है। इस तरह जुलाई में कर्मचारियों को डीए और सैलरी में इजाफा होने से फायदा होगा। अगर अगर बात करें कि टोटल कितने पैसे बढ़कर अकाउंट में आएगा तो 50 हजार बेसिक सैलरी पर 2,000 रुपये का डीए और 1500 रुपये का सैलरी इंक्रीमेंट होगा।

अदाणी ग्रुप पर आया बड़ा अपडेट, गौतम अदाणी की कंपनी ने बोर्ड मीटिंग में लिए कई फैसले

नई दिल्ली।
अदाणी ग्रुप को लेकर आज बड़ा अपडेट सामने आया है। अदाणी ग्रुप की बोर्ड मीटिंग में अदाणी एंटरप्राइजेज को फंड जुटाने की अनुमति मिल गई है। वहीं दूसरी तरफ खबर यह भी आ रही है कि अदाणी ग्रुप यूपीआई पेमेंट और ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म सेक्टर आने की प्लानिंग कर रहा है। अदाणी ग्रुप के बोर्ड द्वारा लिए गए फैसलों का असर कंपनी के शेयरों पर पड़ सकता है। अगर बात करें आज कंपनी के शेयर की परफॉर्मेंस कैसी है तो बता दें कि करीब 1 बजे अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट, अदाणी पावर के लाल निशान पर कारोबार कर रहे थे।

अदाणी एंटरप्राइजेज को फंड जुटाने के लिए मिली मंज़ूरी

बोर्ड ने अदाणी एंटरप्राइजेज को फंड जुटाने के लिए मंजूरी दे दी है। बोर्ड ने कंपनी को 16,600 करोड़ रुपये का फंड जुटाने के लिए मंजूरी दे दी है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया है कि अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी क्वालीफाई इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट या किसी अन्य मोड के माध्यम से धन जुटाएगी। कंपनी ने अभी तक जानकारी नहीं दी है कि वह कब तक फंड जुटाएगी। बीते दिन बताया था कि वह क्यूआईपी के जरिये 12,500 करोड़ रुपये जुटाएगी।

ई-कॉमर्स सेक्टर में होगी अदाणी ग्रुप की एंट्री

अदाणी ग्रुप जल्द ही ई–कॉमर्स सेक्टर में कदम रख सकता है। अदाणी ग्रुप डिजिटल पेमेंट नेटवर्क पर काम करने के लिए लाइसेंस के लिए एक आवेदन पर विचार कर रहा है। इसके अलावा कंपनी कई बैंकों के साथ बातचीत कर रहा है। गौतम अदाणी की कंपनी ई–कॉमर्स सेक्टर में एंट्री लेने के लिए ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स से बातचीत कर रहा है। ओएनडीसी सरकारी ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म है। इसका मतलब है कि गौतम अदाणी अब यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस नेटवर्क यानी डिजिटल पेमेंट नेटवर्क और ई–कॉमर्स सेक्टर में अपना पैर जमाना चाहते हैं।

सोने में सुस्त कारोबार, चांदी चमकी, सोना 72 हजार, चांदी लगभग 94,700 रुपए

नई दिल्ली ।
देश के शेयर बाजारों में सोने के वायदा कारोबार में नरमी देखने को मिल रही है। इसके वायदा भाव गिरावट के साथ खुले, जबकि इसके भाव में तेजी देखी गई थी। आज इसके वायदा भाव गिरकर 72 हजार रुपये से नीचे आ गए। सोने के विपरीत चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिली और इसके वायदा भाव तेजी के साथ खुले। इसके वायदा भाव 94,700 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे।

सोने के वायदा भाव 71,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 16 रुपये की गिरावट के साथ 71,993 रुपये के भाव पर खुलकर 88 रुपये की गिरावट के साथ 71,921 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

इस समय इसने 72,000 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 71,859 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस महीने 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। सोने के विपरीत चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 100 रुपये की तेजी के साथ 94,708 रुपये के भाव पर खुलकर 72 रुपये की तेजी के साथ 94,680 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 94,778 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 94,551 रुपये के भाव पर दिन निचला स्तर छू लिया। इस महीने चांदी के वायदा भाव ने 95, 950 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

29,000 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड की नीलामी 31 मई को

मुंबई।
भारतीय रिजर्व बैंक ने 31 मई को मुंबई में आयोजित की जाने वाली नीलामी के जरिए तीन लॉट में 29,000 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड की बिक्री का ऐलान किया है. वित्त मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है. नीलामी के लिए प्रतिस्पर्धी और गैर–प्रतिस्पर्धी दोनों बोलियां 31 मई, 2024 को भारतीय रिजर्व बैंक कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (ई–कुबेर) सिस्टम पर इलेक्ट्रॉनिक फॉर्मेट में पेश की जानी चाहिए. गैर–प्रतिस्पर्धी बोलियां सुबह 10.30 से 11 बजे के बीच पेश की जानी चाहिए. वहीं प्रतिस्पर्धी बोलियां सुबह 10.30 बजे से 11.30 बजे के बीच पेश की जानी चाहिए.

कौन कर सकता है सरकारी बॉन्ड में निवेश

सरकारी बॉन्ड में निवेश करने की प्रक्रिया अब बहुत आसान हो चुकी है. चाहे भारत के निवासी भारतीय हों या अनिवासी भारतीय यानी एनआरआई, आसानी से भारत सरकार के बॉन्ड में निवेश कर सकते हैं. सरकारी प्रतिभूतियां हों या सरकारी डेवलपमेंट लोन अथवा ट्रेजरी बिल, एनआरआई भी इन सभी में आसानी से निवेश करके फायदा ले सकते हैं.

जानें कैसे किया गया है नीलामी के लिए इंतजाम

पहले लॉट में कई मूल्य विधियों (प्राइस मैथड) का उपयोग करके उपज–आधारित नीलामी के जरिए 12,000 करोड़ की नोटिफाइ की गई रकम के लिए नई सरकारी प्रतिभूति 2029 शामिल है 6,000 करोड़ रुपये मूल्य की न्यू जीओआई एसजीआरबी 2034 की दूसरी खेप भी मल्टीपल प्राइस मैथड का इस्तेमाल करके नीलाम की जाएगी. 11,000 करोड़ कीमत की 7.34 फीसदी सरकारी सिक्योरिटीज 2064 का तीसरा सेट मल्टीपल मूल्य पद्धति का इस्तेमाल करके मूल्य आधारित नीलाम किया जाएगा. सरकारी सिक्योरिटीज की बिक्री के बदले सरकार के पास होगा ये ऑप्शन सरकार के पास तीनों सिक्योरिटीज में से हर एक के बदले 2000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त सदस्यता बरकरार रखने का ऑप्शन होगा. गवर्नमेंट सिक्योरिटीज के ऑक्शन में नॉन–कॉम्पीटीटिव बोली सुविधा योजना के मुताबिक सिक्योरिटीज की बिक्री की नोटिफाइड रकम का पांच फीसदी तक एलिजिबल लोगों और संस्थानों को आवंटित किया जाएगा।

झारखंड हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन की याचिका पर ईडी से मांगा जवाब, सिब्बल ने की पूर्व सीएम की पैरवी

नई दिल्ली ।
झारखंड उच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से दायर जमानत याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। एक कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा 31 जनवरी को गिरफ्तार किए गए सोरेन ने उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर की और मामले की जल्द सुनवाई का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय की पीठ के समक्ष सोरेन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि झामुमो नेता राजनीतिक साजिश के शिकार हुए हैं। अदालत ने ईडी को मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और सुनवाई की अगली तारीख 10 जून तय की। अपनी याचिका में सोरेन ने अदालत से कहा कि उनका नाम साढ़े आठ एकड़ जमीन की सौदेबाजी के किसी भी दस्तावेज में नहीं है और उनके खिलाफ धन शोधन रोकथाम अधिनियम के तहत कोई अपराध नहीं बनता। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईडी केवल कुछ लोगों के बयानों पर भरोसा कर रहा है, जिन्होंने कहा है कि जमीन उनका (हेमंत सोरेन का) है, लेकिन ऐसे बयानों की पुष्टि के लिए कोई दस्तावेज नहीं है। सोरेन ने 31 जनवरी को अपनी गिरफ्तारी से पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और अब वह झारखंड की राजधानी रांची के होटवार में बिरसा मुंडा जेल में बंद हैं। उन पर रांची के बार्गेन में एक प्लॉट के लिए जमीन के दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप है। सोरेन ने दलील दी कि जमीन का मालिक राजकुमार पाहन नाम का व्यक्ति है, जिसने बार्गेन सर्कल अधिकारी के कार्यालय में शिकायत की थी कि उसकी जमीन पर कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है। याचिका में कहा गया है कि पाहन ने कहीं भी हेमंत सोरेन के नाम का उल्लेख नहीं किया था, फिर भी ईडी ने दावा किया कि जमीन उनके (सोरेन के) कब्जे में थी। इससे पहले सोरेन को 22 मई को उच्चतम न्यायालय से कोई राहत नहीं मिली थी। अदालत ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका में तथ्यों को छिपाने के लिए उन्हें फटकार लगाई थी।

106 साल पहले छपे 10 रुपये के दो नोटों की होगी नीलामी

लंदन । ब्रिटेन के मेफेयर स्थित ऑक्शन हाउस नूनान्स में अब 106 साल पहले छपे 10 रुपये के दो नोटों की नीलामी होगी। इन नोटों की भी अजीब दास्तां है। आइए इस 106 साल पुराने नोट की कहानी बताते हैं। जानकारी के अनुसार, इन्हें बैंक ऑफ इंग्लैंड ने छापा था, जहाज में लाद कर भारत भेजा जा रहा था। लेकिन दुर्भाग्यवश वह जहाज डूब गया। उस जहाज पर लदे अधिकतर भारतीय करेंसी नोटों को तो नष्ट कर दिए गए। लेकिन ये दो नोट अभी भी किसी के पास सुरक्षित हैं। यह नीलामी 29 मई 2024 को होनी है। हालांकि ये बिना हस्ताक्षर के नोट हैं, लेकिन सुपर क्वालिटी ऑरिजिनल पेपर पर छपे हैं। इनका सीरियल नंबर भी अभी तक ज्यों का त्यो हैं। बताया जाता है कि इन दो नोटों की नीलामी का लॉट 474 और 475 तय किया गया है। इन दोनों लॉटों की नीलामी 29 मई को होगी। ऐसा अनुमान है कि इनकी नीलामी रुपए 2.1 लाख से 2.7 लाख में हो सकती है। बता दें कि पुराने और दुर्लभ नोटों और सिक्कों, पेंटिंग आदि के कद्रदान की कोई कमी नहीं है। ऐसी वस्तुओं की ब्रिटेन के मेफेयर स्थित ऑक्शन हाउस नूनान्स में नीलामी होती है।

वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम में प्रभावित नहीं कर सके सुमित नागल, पहले दौर में खाचनोव से मिली हार

पेरिस ।

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन में प्रभावित नहीं कर सके और उन्हें टूर्नामेंट में अपने पदार्पण मैच के पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। नागल को रूस के कारेन खाचनोव ने हराया। विश्व रैंकिंग में 95वें नंबर पर काबिज नागल के पास खाचनोव की दमदार सर्विस और करारे शॉट का कोई जवाब नहीं था। उन्होंने तीसरे सेट में जरूर शानदार खेल दिखाया लेकिन इसके बावजूद वह 2-6, 0-6, 6-7 (5-7) से हार गए। नागल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में दुनिया के 31वें नंबर के अलेक्जेंडर बुब्लिक को हराकर चौंका दिया था लेकिन लाल बजरी पर वह अपना यह करिश्मा नहीं दोहरा पाए।

अच्छी शुरुआत को बरकरार नहीं रख सके नागल – मैच से पहले बारिश आने के कारण कोर्ट थोड़ा धीमा हो गया था जो लंबी रैलियों के लिए आदर्श था। भारतीय खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत की लेकिन वह खाचनोव थे जिन्होंने तीसरे गेम में नागल की सर्विस तोड़ी। इसके बाद बारिश के कारण 21 मिनट तक खेल रुका रहा। खेल शुरू होने पर रूसी खिलाड़ी ने जबरदस्त खेल दिखाया और नागल को पस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। खाचनोव ने दोनों छोर से शॉट लगाए और ऐसे में भारतीय खिलाड़ी के लिए अंक बनाना मुश्किल हो गया।

खाचनोव के आगे टिक नहीं सके नागल – पहले सेट के सातवें गेम में नागल एक समय 30-0 से आगे थे लेकिन खाचनोव ने लगातार चार अंक बनाकर दूसरा ब्रेक प्वाइंट लिया। रूसी खिलाड़ी ने इसके बाद अगले गेम में फोरहैंड विनर लगाकर पहला सेट अपने नाम किया। नागल को दूसरे सेट में अच्छी शुरुआत की जरूरत थी लेकिन उन्होंने पहले गेम में ही अपनी सर्विस गंवा दी। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी के पास भी दो बार ब्रेक लेने का मौका था लेकिन खाचनोव ने दोनों अवसरों पर अच्छी वापसी की। नागल इसके बाद अपनी अगली दोनों सर्विस का भी बचाव नहीं कर पाए और खाचनोव ने आसानी से यह सेट जीता। नागल ने तीसरे सेट में वापसी करके अपनी पहली सर्विस बचाई लेकिन तीसरे गेम में वह ऐसा नहीं कर पाए। इस बीच नागल ने दूसरे गेम में खाचनोव की सर्विस तोड़ने के दो मौके गंवाए।

न्यूज़ ब्रीफ

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 से पहले भारत ए का सामना ऑस्ट्रेलिया ए से होगा

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाले भारत ए के शेड्यूल और वेन्यू की घोषणा की। ऑस्ट्रेलिया ए और भारत ए के बीच दो चार दिवसीय मैच और एक तीन दिवसीय मैच खेला जाएगा, जिसमें भारतीय टेस्ट टीम और भारत ए के खिलाड़ी शामिल होंगे। यह सभी मैच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला से पहले होंगे। लीड-अप गेम्स का मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया मेजबानी करेगा, जिसमें भारतीय पुरुष और महिला टीमें ऑस्ट्रेलिया में 69 दिनों में आठ अलग-अलग स्थानों पर खेलेंगी। ऑस्ट्रेलिया ए बनाम भारत ए मैच क्रमशः मैकाय (31 अक्टूबर-3 नवंबर) और एमसीजी (7-10 नवंबर) में ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेले जाएंगे, जबकि भारतीय आंतरिक मैच वाका ग्राउंड (15 -17 नवंबर) में होगा। इसके जरिए खिलाड़ी वेस्ट टेस्ट से पहले चयन के लिए अपना दावा पेश करेंगे । ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम दिसंबर में तीन एकदिवसीय मैचों में भारत से भिड़ेगी क्योंकि विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई और तेजी से सुधार कर रहे भारत के बीच प्रतिद्वंद्विता तेज हो गई है। सीए के क्रिकेट संचालन प्रमुख पीटर रोच ने कहा, 2024-25 की गर्मियों को पांच टेस्ट बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला द्वारा उजागर किया गया है, जो 30 से अधिक वर्षों में दो दिग्गजों के बीच पहली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला है। महिला वनडे के साथ-साथ और उससे पहले दो महत्वपूर्ण ऑस्ट्रेलिया ए बनाम भारत ए मैचों का आयोजन हमारे प्रशंसकों के लिए बहुत अच्छा होगा। उन्नत ग्रेट बैरियर रीफ एरेना और एमसीजी में उन ए मैचों की मेजबानी इन ए मैचों को महत्वपूर्ण दर्जा देती है और दोनों पक्षों के खिलाड़ियों को चयन के लिए अपना हाथ बढ़ाने का शानदार अवसर प्रदान करेगी। भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 2024: पुरुष ऑस्ट्रेलिया ए बनाम भारत ए सीरीज 31 अक्टूबर- 3 नवंबर, 2024: ग्रेट बैरियर रीफ एरिना, मैकाय 7 नवंबर-10 नवंबर, 2024: एमसीजी, मेलबर्न भारत पुरुषों का आंतरिक मैच 15 नवंबर-17 नवंबर: वाका ग्राउंड, पर्थ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज 22-26 नवंबर, 2024: पर्थ स्टेडियम, पर्थ 6-10 दिसंबर, 2024: एडिलेड ओवल, एडिलेड (डे/नाइट) 14-18 दिसंबर, 2024: गाबा, ब्रिस्बेन दिसंबर 26-30, 2024: एमसीजी, मेलबर्न 3-7 जनवरी, 2025: एससीजी, सिडनी महिला वनडे सीरीज - ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत 5 दिसंबर, 2024: एलन बॉर्डर फील्ड, ब्रिस्बेन (डे/नाइट) 8 दिसंबर, 2024: एलन बॉर्डर फील्ड, ब्रिस्बेन (डे) 11 दिसंबर, 2024: वाका ग्राउंड, पर्थ (डे/नाइट) ।

टी20 क्रिकेट पर ध्यान देने एकदिवसीय प्रारुप छोड़ सकते हैं स्टार्क

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा है कि वह लंबे समय तक अधिक से अधिक

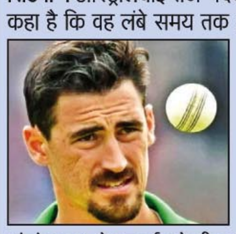

टी20 प्रारुप खेलना चाहते हैं। इसलिए वह एकदिवसीय प्रारुप छोड़ सकते हैं। आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने स्टार्क को नीलामी में रिकॉर्ड 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा था और आईपीएल 2024 के अंत में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दो नॉकआउट मैचों में पांच विकेट के साथ ही टूर्नामेंट में कुल 17 विकेट लिए थे। स्टार्क ने कहा कि अब आने वाले समय में वह टी20 क्रिकेट पर सबसे ज्यादा ध्यान देंगे। स्टार्क ने कहा, ''पिछले नौ साल में मैंने निश्चित रूप से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को प्राथमिकता दी है। मैं अपने शरीर को आराम देने और परिवार के साथ कुछ समय बिताने का मौका पाने के लिए अधिकतर इन टूर्नामेंटों से हट गया इसलिए निश्चित रूप से पिछले नौ वर्षों में मेरा दिमाग इसी पर केंद्रित रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं निश्चित रूप से अपने करियर के अंत के करीब हूं। इसलिए एक प्रारूप को हटाया जा सकता है। इससे उनके पास काफी फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने का अवसर रहेगा।

15 साल बाद भारत में होगी विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप

नई दिल्ली । विश्व जूनियर चैंपियनशिप अगले साल 2025 में भारत में होगी। इसका आयोजन गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में किया जाएगा। बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा कि करीब 15 साल बाद ये चैंपियनशिप भारत में होने जा रही है। इससे पहले साल 2008 में इसका आयोजन भारत में हुआ था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''टीम और व्यक्तिगत दोनों स्पर्धाएं गुवाहाटी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित की जाएंगी।'' पिछली बार इन खेलों का आयेजन पुणे में हुआ था। वहीं इसको लेकर बीडब्ल्यूएफ के अध्यक्ष पॉल-एरिक होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में बेहतरीन प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में विश्व जूनियर प्रतियोगिता का दूसरी बार भारत में आयोजनप और भी अहम है। '' उन्होंने कहा, ''बीएआई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं है और ऐसे में यह उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का बेहतरीन स्थान होगा।

रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग के एक सीजन में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने, इस खिलाड़ी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली ।

स्टार फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और वह सऊदी प्रो लीग के एक सीजन में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। रोनाल्डो ने अल इतिहाद के खिलाफ अल नासर के अंतिम मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल की। रोनाल्डो ने अल इतिहाद के खिलाफ मुकाबले में दो गोल किए जो उनका इस लीग के मौजूदा सीजन में 34वां और 35वां गोल था। इसी के साथ रोनाल्डो ने सीजन का समापन रिकॉर्ड बनाकर किया।

अल नासर की जीत में रोनाल्डो ने निभाई भूमिका – रोनाल्डो ने अपने दो गोल के दम पर अल नासर की जीत में अहम भूमिका निभाई। रोनाल्डो ने अल इतिहाद के खिलाफ पहले हॉफ के स्टॉपेज समय (45+3 मिनट) में इस मैच का अपना पहला गोल दागा। इसके बाद रीयल मैड्रिड और मैनचेस्टर यूनाईटेड के इस पूर्व खिलाड़ी ने 69वें मिनट में हेडर के जरिये अपना दूसरा गोल किया। इसके साथ ही वह सऊदी प्रो लीग के एक सीजन में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। रोनाल्डो के दो गोल की मदद से अल नासर ने अल इतिहाद को 4-2 से हराया। इस तरह रोनाल्डो की टीम ने 34 मैचों में 26 जीत के साथ 82 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान रहकर सीजन का समापन किया। अल हिलाल 34 मैचों में 31 जीत के साथ 96 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर रहा।

रिकॉर्ड तोड़ने के बाद रोनाल्डो ने इस तरह दी प्रतिक्रिया – सऊदी प्रो लीग के एक सीजन में सबसे ज्यादा गोल करने के बाद रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिये अपनी उपलब्धि पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, मैं रिकॉर्ड के पीछे नहीं भागता, रिकॉर्ड मेरे पीछे भागते हैं।

अब्देराजाक हमदल्लाह को पीछे छोड़ा – रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में सर्वाधिक गोल करने के मामले में मोरक्को के अब्देराजाक हमदल्लाह को पीछे छोड़ा। अब्देराजाक हमदल्लाह ने 2018-19 सीजन में कुल 34 गोल किए थे, लेकिन पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी रोनाल्डो ने इस हमदल्लाह को पीछे छोड़ते हुए यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। रोनाल्डो दिसंबर 2022 में इस लीग से जुड़े थे। रोनाल्डो पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 206 मैच खेले हैं और रोनाल्डो के नाम रिकॉर्ड 128 गोल हैं।

भारतीय शैली की कुश्ती को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले थे रोशन लाल

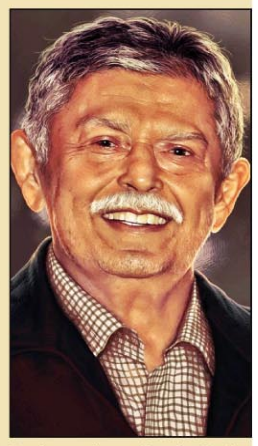

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्वारा गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार से पुरस्कृत दिवंगत रोशन लाल की 27 मई को चौथी पुण्यतिथि है। इस मौके पर भारतीय शैली कुश्ती महासंघ के सभी पदाधिकारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी, सभी ने एक स्वर में कहा कि भारतीय शैली की कुश्ती के उत्थान के लिए हमेशा स्व. गुरु रोशन लाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही, वे और उनके कार्य कई सदियों तक याद किए जाएंगे। इस मौके पर भारतीय शली कुश्ती महासंघ के कार्यवाहक अध्यक्ष जितेंद्र नफे राठी ने कहा कि दिवंगत गुरु रोशन लाल द्वारा भारतीय शैली कुश्ती के उत्थान के लिए किया गया कार्य ऐतिहासिक है। भारतीय शैली कुश्ती, कुश्ती की जननी मां है, भारत का हर पहलवान पहले भारतीय शैली कुश्ती के द्वारा ही एक संपूर्ण पहलवान बनता है । भारतीय शैली कुश्ती महासंघ के महासचिव गौरव रोशन लाल ने बताया कि वह अपने पिता तथा पूर्व द्रोणाचार्य पुरस्कृत कोच साहब के इस सपने को भारतीय शैली कुश्ती महासंघ के माध्यम से पूरा करने के लिए प्रयासरत है। इस मौके पर महासंघ के पदाधिकारियों द्वारा जिनमें विशेष रूप से, रामाश्रय यादव (चेयरमैन), शिव कुमार शर्मा (वरि. उपाध्यक्ष), अर्जुन यादव (उपाध्यक्ष), मो. हनीफ़ राज (कोषाध्यक्ष), यशपाल बक्शी (सलाहकार), ज्ञान सिंह, (ओलंपियन, ध्यानचंद अवार्ड), कृपाशंकर पटेल (अर्जुना अवार्ड), ओमबीर सिंह (अर्जुना अवार्ड) आदि लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

दो महीने तक ब्रश नहीं किया, सबसे बुरे समय को याद करते हुए भावुक हुए ऋषभ पंत; इतने महीने दर्द से बुरी तरह तड़पे

नई दिल्ली।

भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल समय के बारे में खुलासा किया। ऋषभ पंत ने हाल ही में शिखर धवन के नए शो धवन करेंगे में शिरकत की थी। 26 साल के पंत ने इस दौरान गंभीर कार दुर्घटना के बाद असहनीय दर्द झेलने के बारे में खुलकर बताया।

ऋषभ पंत को कई फ्रैक्चर हुए, लिगामेंट के लिए उन्हें घुटने की सर्जरी से गुजरना पड़ा। यह चोटें उनके करियर के लिए भयावह थी, लेकिन उन्होंने हाल ही में 15 महीने के अंतराल के बाद आईपीएल 2024 में वापसी की और टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय स्क्वाड में शामिल किया गया।

ऋषभ पंत का बड़ा खुलासा

ऋषभ पंत ने चोट के बाद के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, चोट से उबरने के लिए आत्म निर्भरता और आत्म विश्वास बहुत जरूरी है क्योंकि आपके आस-पास लोग सभी तरह की बातें करते हैं। व्यक्तिगत रूप से आपको सोचना रहता है कि आपके लिए क्या बेहतर है। कार एक्सीडेंट मेरे लिए जिंदगी बदलने वाला अनुभव रहा। जब मेरी आंख खुली तो मुझे विश्वास नहीं था कि जी पाऊंगा। मगर भगवान ने मुझे बचा लिया।

उन्होंने आगे कहा, मैंने दो महीने तक ब्रश भी नहीं किया था। करीब छह से सात महीने तक मैंने असहनीय दर्द सहा। मैं एयरपोर्ट नहीं जाना चाहता था क्योंकि व्हीलचेयर पर बैठकर लोगों का सामना करने में हिचकिचाहट होती थी। अब जब मैंने क्रिकेट में वापसी की है, तो दबाव से ज्यादा मैं उत्साहित महसूस कर रहा हूं। मुझे महसूस होता है कि यह दूसरी जिंदगी की तरह है। मैं उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ा घबराया हुआ हूं। पंत का आईपीएल 2024 में प्रदर्शन बता दें कि ऋषभ पंत ने आईपीएल 2024 में वापसी की और दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व किया।

उद्घाटन समारोह में पारंपरिक पोशाक में नजर आएंगे भारतीय एथलीट, बिखरेगी तिरंगे की छटा

नई दिल्ली ।

इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं और भारतीय एथलीट अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए पूरा दम लगाने को तैयार हैं। चार साल में होने वाले खेल के इस महाकुंभ के उद्घाटन समारोह को लेकर एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है। पेरिस ओलंपिक में पारंपरिक भारतीय पोशाक साड़ी की वापसी हो गई है। सीन नदी के तट पर होने वाले ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में बेटियां इस बार साड़ी में नजर आएंगी और पुरुष खिलाड़ी बंडी और कुर्ते में सजे-धजे होंगे। उद्घाटन समारोह में इस बार पुरुष और महिला खिलाड़ियों की पोशाक खास होगी। इस पोशाक को देखते ही दुनिया समझ जाएगी कि यह कोई और नहीं बल्कि भारतीय दल है। साड़ी के अलावा बंडी और कुर्ते में भारतीय झंडे के तीनों रंग होंगे। इस पोशाक से तिरंगे की छटा बिखरती नजर आएगी। लंदन ओलंपिक तक होती थी पगड़ी, साड़ी की पोशाक 2012 के लंदन ओलंपिक तक भारतीय दल ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में पगड़ी (पुरुष खिलाड़ी) और साड़ी (महिलाएं) की पारंपरिक पोशाक में उतरता था, लेकिन 2016 के रियो ओलंपिक में पुरुषों के सिर से पगड़ी को हटा दिया गया। 2018 के राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों से साड़ी को भी विदा कर दिया गया। टोक्यो ओलंपिक में महिला खिलाड़ी कोट और पैंट में नजर आईं। हालांकि बीते वर्ष हुए हांगझोऊ एशियाई खेलों में महिला खिलाड़ियों के परिधान में साड़ी को शामिल किया गया। साड़ी और बंडी पर तिरंगे की झलक दिखेगी पेरिस ओलंपिक के लिए भी शुरुआत में महिलाओं की पोशाक में साड़ी शामिल नहीं थीं, लेकिन उच्चाधिकारियों ने महिलाओं के लिए साड़ी पर जोर दिया।

प्रगनानंद का सामना फ्रांस के अलीरजा से, कार्लसन लंबे समय बाद क्लासिकल टूर्नामेंट में करेंगे वापसी

नई दिल्ली ।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंद नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में फ्रांस के अलीरजा फिरोजा से खेलेंगे, जबकि आर वैशाली की टक्कर महिला विश्व चैंपियन चीन की वेंजुन जू से होगी। नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग में शीर्ष छह ग्रैंडमास्टर भाग लेंगे जबकि महिला वर्ग में शीर्ष छह खिलाड़ी खेलेंगी। वहीं, दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन लंबे समय बाद क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट में भाग लेंगे। भारतीय शतरंज खिलाड़ियों ने हाल के दिनों में सराहनीय प्रदर्शन किया है जिससे सभी की उम्मीदें एक बार फिर इनसे बेहतर प्रदर्शन की होगी। डिंग लिरेन पर रहेंगी नजरें सभी की नजरें मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन पर होंगी जो साल के आखिर में भारत के डी गुकेश की चुनौती का सामना करेंगे। रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि को विश्व चैंपियनशिप मुकाबले में हराने के बाद उन्होंने काफी कम प्रतिस्पर्धी शतरंज खेली है। पहले दौर में उनका सामना कार्लसन से होगा। इनके अलावा अमेरिका के फेबियानो कारूआना और हिकारू नकामूरा भी इसमें भाग लेंगे। दोनों पहले दौर में एक दूसरे के आमने सामने होंगे। महिला वर्ग में वैशाली के अलावा कोनेरू हम्पी, यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक ,स्वीडन की पिया क्रामलिंग और चीन की वेनजुन और तिंगजि लेइ भाग लेंगे। अलग होता है प्रारूप इस टूर्नामेंट का प्रारूप दूसरों से अलग है और इसमें किसी मुकाबले में अंक नहीं बंटते हैं। ड्रॉ होने पर खिलाड़ी टाइब्रेकर खेलेंगे। क्लासिकल टाइम कंट्रोल के तहत जीतने पर तीन अंक मिलेंगे, जबकि ड्रॉ रहने पर टाइब्रेकर जीतने वाले को डेढ़ और हारने वाले को एक अंक दिया जाएगा।

जगुआर ने उत्तराखंड को नीचे धकेला, नोएडा सिटी की दमदार जीत

नई दिल्ली।

उत्तराखंड एफसी का डीएसए सीनियर डिवीजन लीग से रेलीगेशन हो गया है और वो अगले सीजन में 'ए' डिवीजन में खेलेगी। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए लीग के रेलीगेशन मैच में उत्तराखंड एफसी को जगुआर एफसी के साथ ड्रा खेलना महंगा पड़ गया। दोनों टीमें निर्धारित समय तक 1-1 की बराबरी पर रही। मैच के छठे मिनट में सोमनाथ सरदार के गोल से बढ़त बनाने वाली उत्तराखंड एफसी का जीत का सपना रेफरी की सीटी बजने से ठीक पहले टूट गया।

रेल-पेल के चलते रतीश सर्राफ ने गोल जमाकर उत्तराखंड एफसी को सीनियर से 'ए' डिवीजन में धकेल दिया। जगुआर एफसी के रतीश सर्राफ को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

उधर, पूर्वी दिल्ली स्थित ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए डीएसए सीनियर डिवीजन लीग के मुकाबले में गढ़वाल डायमंड ने नामी क्लब सिटी एफसी पर 2-0 से जीत दर्ज की। अल्तमश और हर्ष बड़थ्वाल ने गढ़वाल के गोल किए। किसी प्रकार की मिलीभगत की आशंका को देखते हुए दिल्ली सॉकर एसोसिएशन (डीएसए) ने उत्तराखंड बनाम जगुआर और सिटी बनाम गढ़वाल डायमंड के मुकाबलों को एक साथ सुबह 9 बजे आयोजित करने का फैसला लिया था।

उत्तराखंड के लिए यह मैच करो या मरो जैसा था और उसने बढ़त लेकर सही दिशा में कदम बढ़ा दिया था, लेकिन जगुआर एफसी को सिर्फ बराबरी का मैच खेलना था, जिसे जगुआर ने कर दिखाया।

उत्तराखंड को हर हाल में जीत चाहिए थी, लेकिन बराबर खेलकर उसने दिल्ली टाइगर्स के साथ नीचे की लीग में गोता लगा दिया। जगुआर के खिलाड़ियों ने आखिरी मिनट तक हिम्मत नहीं हारने की तकनीक से खेलते हुए अपना बचाव कर लिया।

खेले गए ए डिवीजन लीग मैच में नोएडा सिटी एफसी ने वॉरियर्स एफसी को 2-0 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। विजेता टीम के लिए आर्यन भंडारी और मनीष ने गोल किए।

मनीष को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। नोएडा सिटी एफसी और वॉरियर्स के बीच खेला गया मैच रोमांचक रहा। लेकिन नोएडा सिटी के खिलाड़ियों की तेज गति और खेल पर नियंत्रण बनाने की कुशलता के चलते वॉरियर्स को हथियार डालने पड़े।

जन्मदिन से पहले राफेल नडाल को लगा झटका, पहले दौर में अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने दी करारी शिकस्त

नई दिल्ली । राफेल नडाल को जन्मदिन से पहले तगड़ा झटका लगा है। खेले गए मुकाबले के पहले दौर में 14 बार के चैंपियन को अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ निराशाजनक हार का सामना करना पड़ा। तीन जून को नडाल 38 वर्ष के हो जाएंगे। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव से 6-3, 7-6 (7/5), 6-3 से हार गए। 2005 में खिताब जीतने के बाद रोलांड गैरोस में 116 मैचों में उनकी यह चौथी हार है। ऐसा पहली बार हुआ कि वह पेरिस में शुरुआती दौर में हार गए थे। पहले दौर से बाहर हुए नडाल की वापसी पर सस्पेंस बरकरार तीन घंटे तक चले खेल में अधिकांश समय अपने प्रतिद्वंद्वी के हावी रहने के बावजूद, नडाल ने अपने कुछ पुराने शॉट्स के माध्यम से मैच में वापसी के लिए संघर्ष जारी रखा। हार के बावजूद उनके समर्थकों ने उनका भरपूर समर्थन किया। इसके लिए नडाल ने उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह उनकी टूर्नामेंट में आखिरी उपस्थिति है या नहीं कहना मुश्किल है। उन्होंने कहा, मेरे लिए बात करना कठिन है। मुझे नहीं पता कि यह आप सभी के सामने आखिरी बार होगा या नहीं। मुझे यकीन नहीं है। लेकिन अगर यह आखिरी बार है तो मैंने इसका आनंद लिया। आज मेरे मन में जो भावनाएं हैं उन्हें शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। मेरे लिए उस जगह के लोगों का प्यार महसूस करना बहुत खास है, जिसे मैं सबसे ज्यादा प्यार करता हूं।

शैंपू में चीनी मिलाना फायदेमंद!

ये तो सभी जानते हैं कि शुगर हमारी बॉडी के लिए अच्छी नहीं है लेकिन एक एक्सपर्ट का कहना है कि ये बालों के लिए बहुत अच्छी है। स्किन स्पेशलिस्ट डॉ फ्रांसिस्का का मानना है कि शैंपू में चीनी मिलाने से बालों को क्लीन करने और हेल्दी रखने में मदद मिलती है। मैरी क्लेयर ने बताया कि एक चम्मच चीनी को शैंपू में मिलाने से स्काल्प को अच्छी तरह से साफ करने में मदद मिलती है। ऐसा करने से ना सिर्फ बालों की चिपचिपाहट को आसानी से दूर किया जा सकता है बल्कि ये डेड स्किन सेल्स को भी हटा देता है। अगर आप स्काल्प को बेहतर तरीके से क्लीन करना चाहते हैं और बालों को मॉइस्चर देना चाहते हैं तो आपको शैंपू में चीनी का इस्तेमाल करना चाहिए। एक्सपर्ट के मुताबिक, मॉइस्चराइजिंग शैंपू में चीनी का इस्तेमाल हर चौथे वॉश में करें इससे स्काल्प पर पपड़ी भी नहीं जमेगी।

ऐसे दिनभर रहेगी परफ्यूम की खुशबू

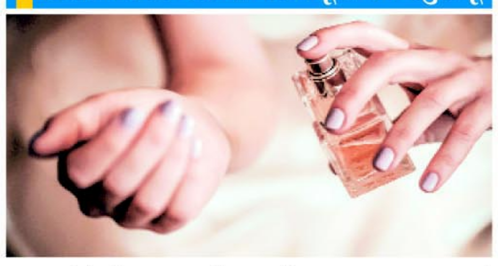

आप अपने फेवरेट परफ्यूम की खुशबू दिनभर बरकरार रखना चाहते हैं तो आपको एक छोटी सी ट्रिक अपनानी होगी। जब सुबह आप घर से बाहर निकलो तो आप कॉन्फिडेंड महसूस करो, इसके लिए आपको परफ्यूम लगाने का तरीका बदलना होगा। आपको परफ्यूम के साथ ही वैसलीन की जरूरत होगी। जी हां, आप गर्दन, हाथ या बॉडी के जिस भी हिस्से पर परफ्यूम लगाते हैं वहां पर वैसलीन की हल्के हाथ से मसाज करें। वैसलीन की मसाज के बाद उन जगहों पर परफ्यूम स्प्रे करें जहां आपने वैसलीन लगाई हैं। इस ट्रिक से आपके परफ्यूम की खुशबू दिनभर बरकरार रहेगी। दरअसल, वैसलीन मेकअप की तरह काम करता है। ये परफ्यूम की तरोताजा खुशबू को लॉक कर लेता है। परफ्यूम ड्राई स्किन पर उतनी बेहतर तरीके से परफॉर्म नहीं करता।

तेल के बिना भी सिर की मालिश...

तेल के बिना भी सिर की मालिश बालों की मालिश का मतलब ये नहीं कि आप किसी तेल या जैल का ही इस्तेमाल करें, बिना तेल के भी मालिश करके आप कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं। चलिए जानते हैं सिर की मालिश के कुछ ऐसे फायदों के बारे में जिसके बाद आप भी झटपट मसाज करवाने की सोचेंगे। सिर में दर्द हो या कोई टेंशन हो, बालों की मालिश से सिर दर्द की समस्या को आसानी से दूर किया जा सकता है। तनाव दूर करने और थकान मिटाने में भी चंपी फायदेमंद होती है। बालों संबंधित समस्याओं को दूर करने, बालों को मजबूत बनाने और बालों को खूबसूरत बनाने के लिए भी चंपी फायदेमंद हैं। आपको नींद ना आने की बीमारी है या फिर बेहतर नींद लेना चाहते हैं तो आपको बालों की मसाज करवानी चाहिए। अगर आप अपने काम पर फोकस नहीं कर पा रहे हैं तो आपको बालों की मालिश करनी चाहिए।

जानिए शरीर पर एल्कोहल रगड़ने के कई फायदे

शराब पीना सेहत के लिए हानिकारक माना जाता है लेकिन इसे शरीर पर रगड़ने से काफी फायदा होता है। घाव को जल्दी भरने के लिए उस पर एल्कोहल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा शराब को बॉडी पर रगड़ने से कई बीमारियों से छुटकारा मिल सकता है। आइए जानिए किन बीमारियों में एल्कोहल को शरीर पर रगड़ना चाहिए।

कान में पानी जाना

नहाते समय या स्विमिंग करते वक्त कई बार कान में पानी चला जाता है जिससे कान में खुजली और इंफैक्शन हो जाता है और दर्द होने लगता है। ऐसे में एल्कोहल की बूंदों को कान के पास रगड़ना चाहिए । जिससे कान के अंदर पानी सूख जाएगा। इसके अलावा एल्कोहल में सिरका मिक्स करके भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

लाल निशान

बुखार या किसी और वजह से होंठ, नाक के नीचे या ठोडी के असापास लाल चको हो जाते हैं जिससे काफी दर्द होता है। इसके लिए त्वचा के उस हिस्से पर एल्कोहल लगा लें और 10 मिनट के बाद पानी से धोएं। 2-3 दिन लगातार ऐसा करने से फायदा होगा।

घाव

कई बार चोट लगने की वजह से घुटने या कोहनी पर हल्की चोट लग जाती है जिसके लिए डॉक्टर के पास जाना जरूरी नहीं होता। ऐसे में कॉटन पर एल्कोहल लगाकर घाव पर लगाएं और 10 मिनट के लिए ऐसा ही छोड़ दें। इससे इंफैक्शन नहीं होगी और घाव भी जल्दी भरेगा।

मांसपेशियों में दर्द

मांसपेशियों में दर्द होने पर दवा खाने की जगह एल्कोहल का इस्तेमाल करें। इसके लिए दर्द वाली जगह पर एल्कोहल रगड़ें। 1 घंटा लगा रहने के बाद इसे पानी से धो लें। इससे दर्द कम हो जाएगा।

खराब नाखुन

कई बार इंफैक्शन की वजह से हाथ या पैर पर फंगस की समस्या हो जाती है। ऐसे में नाखुनों का रंग सफेद या पीला पड़ जाता है और नाखुन कठोर हो जाते हैं। इसके लिए कॉटन पर एल्कोहल डालें और इसे नाखुनों पर लगाएं। आधा घंटा कॉटन को नाखुन पर ही रहने दें और फिर धोकर अच्छे से पौंछ लें। इससे फंगस इंफैशन ठीक हो जाएगा।

प्राकृतिक प्यूरीफायर से घर की हवा को बनाएं जीवनदायी

वायु प्रदूषण की वजह से शहर ही नहीं बल्कि गांवों का भी जीवन स्तर प्रभावित होता जा रहा है। जो लोग स्वस्थ हैं उनमें भी दिल और फेफड़े से संबंधित बीमारियों का खतरा मंडराने लगा है। लेकिन घर के बाहर से ज्यादा घर के अंदर प्रदूषण होता है, जिससे हमें शुद्ध हवा नहीं मिल पाती है। घर से निकलने पर तो लोग मास्क का प्रयोग कर लेते हैं, और घर में एयर प्यूरीफायर लगवा लेते हैं। मगर कुछ लोग ऐसे भी हैं जो मंहगा होने के कारण एयर प्यूरीफायर नहीं खरीद पाते, तो उनके लिए प्राकृतिक एयर प्यूरीफायर बेहतर विकल्प हो सकता है। जी हां, कुछ पेड़-पौधे ऐसे होते हैं जो हमारे लिए प्राकृतिक रूप से हवा को शुद्ध करते हैं, जिन्हें घर में लगाकर आप अपने घर की हवा को शुद्ध कर सकते हैं। आइए इस लेख में जानते हैं उन पौधों के बारे में...

रबर प्लांट

इसका बॉयोलॉजिकल नाम फाइकस इलेस्टिका है, इसे कई नाम से जाना जाता है। रबर प्लांट आमतौर पर भारत, नेपाल, भूटान, वर्मा, चीन, मलेशिया, इंडोनेशिया, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और अमेरिका के फ्लोरिडा में पाया जाता है। आमतौर पर इसे सजावटी पौधे के तौर पर जाना जाता है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि यह घर के अंदर की वायु को प्रदूषित होने से बचाता है।

एलोवेरा (घृतकुमारी)

आमतौर पर एलोवेरा के पौधे को लोग औषधि के तौर पर देखते हैं। एलोवेरा का प्रयोग कॉस्मेटिक प्रयोग में भी लाया जाता है, ये बातें तो हर कोई जानता ही है, लेकिन एलोवेरा का पौधा हमारे आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। ये पौधा हवा को शुद्ध करता है।

स्पाइडर प्लांट

यह पौधा क्लोरोफाइटम कोमोसम नाम से भी जाना जाता है। इस पौधे की खास बात यह है कि ये कई तरह के प्रदूषित तत्वों से हमें बचाता है। यह कार्बन मोनोऑक्साइड, बेंजीन, फोर्मल्डिहाइड और जायलीन जैसे जहरीले तत्वों से हमें दूर रखता है। सजावट के तौर पर इसे लोग घर में भी लगाते हैं। ऐरेका पाम प्लांट वैसे तो इस प्लांट को कहीं भी रखा जा सकता है। खासतौर पर उन घरों में जहां कारपेट होते हैं और फ्रेश पेंट किया फर्नीचर होता है। टॉक्सीन गैसों के निगेटिव इंपेक्ट को कम करता है।

बोस्टन फर्न

यह पेड़ दूसरे अन्य पेड़ों की तुलना में ज्यादा फॉर्मल्डिहाइड को साफ करता है। इसके अलावा यह बेंजीन और जायलान को भी हटाता है। बास्केट में टांगने के लिए यह बेहतर प्लांट है। इसे घर के बाहर टांग सकते हैं।

घर के पास लगाएं ये वृक्ष

पीपल, नीम, जामुन, बरगद और गूलर जैसे पौधे आसानी से उपलब्ध होते हैं ये हमें जहरीली गैसों से बचाते हैं। इसके अलावा साल, हरड़-बहेड़ा, अमलतास, बेल, रीठा, केम, साजा, ढाक, सैंबल, दूधी, लिसोढ़ा, बरगद, विश्तेंदु, खिरनी, कदंब, पिलखन, कुलू, चिलबिल, भिलमा, टीक, जैसे पेड़ प्रदूषण को रोकने में अपनी भूमिका अदा करते हैं। तो आप अपने घर के आस-पास इन पेड़ों को लगाकर वायुमंडल को प्रदूषित होने से बचा सकते हैं।

पॉपुलर बॉडी मसाज, दिनभर रखती हैं एनर्जेटिक!

आपने मसाज तो कभी ना कभी करवाई होगी और मसाज के बारे में सुना भी बहुत होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं मसाज कितने तरह की होती है। जी हां, आज हम आपको मसाज के टाइप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जानिए, कौन सी मसाज किस समस्या के लिए करवाई जाती है और किस मसाज थेरेपी के क्या फायदे हैं।

स्वीडिश मसाज थेरेपी- ये सबसे पॉपुलर मसाज है जिसे सिंपली मसाज थेरेपी के नाम से भी जाना जाता है। ये मसाज मसाज लोशन या ऑयल से होती है। ये बहुत ही कोमल और आरामदायक होती है। अगर आप पहली बार मसाज करवाने जा रहे हैं तो स्वीडिश मसाज थेरेपी ले सकते हैं।

अरोमाथेरेपी मसाज- अमरोमाथेरेपी मसाज में एक या इससे अधिक सेंट प्लांट्स का इस्तेमाल होता है जिसे एसेंशियल ऑयल कहा जाता है। इस मसाज में इस्तेमाल हुए ऑयल्स बॉडी को रिलैक्स करने के साथ-साथ एनर्जी देते हैं, स्ट्रेस कम करते हैं। अरोमाथेरेपी में सबसे ज्यादा जो एसेंशियल ऑयल इस्तेमाल होता है वो है लैवेंडर।

हॉट स्टोन मसाज- टाइट मांसपेशियों को लूज करने, बॉडी को गर्म करने और बॉडी की एनर्जी बैलेंस करने के लिए हॉट स्टोन मसाज का इस्तेमाल होता है। इस मसाज के दौरान गर्म और चिकने पत्थर बॉडी के कुछ चुनिंदा हिस्सों में रखें जाते हैं। मसाज थेरेपिस्ट गर्म स्टोन को होल्ड करके भी बॉडी के कई हिस्सों में प्रेशर बनाते हैं। होट स्टोन मसाज आमतौर पर उन लोगों के लिए बेस्ट है जिनको मसल्स टेंशन हैं।

डीप टिश्यूस मसाज - ये मसाज मसल्स की डीप लेयर और कनेक्टिव टिश्यूज के लिए की जाती है। मसाज थेरेपिस्ट स्लोअर स्ट्रोक्स और फ्रिक्शन टेक्नीक से मसल्स की मसाज करते हैं। ये मसाज बेहद टाइट की जाती है। ताकि मसल्स से दर्द को दूर किया जा सके। इससे पहले की इंजरी को भी रिकवर किया जा सकता है।

शिआस्तु मसाज थेरेपी - शिआस्तु एक जापानी मसाज थेरेपी है। इस थेरेपी में अंगूठे, उंगलियों और हथेलियों के साथ एक्यूप्रेशर के रूप में दबाव डाला जाता है। हर प्वॉइंट पर एनर्जी के साथ 2 से 8 सेकेंड तक प्रेशर डाला जाता है। इससे बॉडी का बैलेंस बनाने में मदद मिलती है। इस थेरेपी के बाद बॉडी में कोई सूजन नहीं आती और ना ही दर्द होता है।

थाई मसाज- शिआस्तु थेरेपी की तरह ही थाई मसाज में भी कुछ खास हिस्सों पर एनर्जी के साथ प्रेशर से दबाव डाला जाता है। इसमें योगा की तरह बॉडी स्ट्रेच होती है। ये सबसे ज्यादा एनर्जेटिक होती है। ये तनाव कम करती है और बॉडी को फ्लैसिबल करती है।

प्रेग्नेंसी मसाज- इसे प्रीनेटल मसाज के नाम से भी जाना जाता है। ये प्रेग्नेंट महिलाओं में काफी पॉपुलर मसाज है। इस मसाज को कुछ खास एक्सपर्ट्स द्वारा ही किया जाता है। ये महिलाओं में तनाव को कम करने, स्वैलिंग कम करने, दर्द से राहत दिलाने, डिप्रेशन से बचाने और एंजाइटी दूर करने में मदद करती है। प्रेग्नेंसी मसाज को महिला की जरूरत के हिसाब से कस्टमाइज भी किया जा सकता है।

रिफ्लैक्सोलॉजी- इस मसाज को फूट मसाज के नाम से भी जाना जाता है। ये सिंपल फूट मसाज से कहीं ज्यादा होती है। पैरों में अलग-अलग हिस्सों पर प्रेशर डाला जाता है। ये मसाज उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो दिनभर खड़े रहकर काम करते हैं या फिर बहुत टायर्ड रहते हैं या फिर जिनके पैरों में दर्द रहता है।

स्पोर्ट्स मसाज- जो लोग फीजिकल एक्टिविटीज में रहते हैं स्पोर्ट्स मसाज उनके लिए फायदेमंद होती है। ये ना सिर्फ बॉडी को रिलैक्स करती है बल्कि स्पोर्ट्स के दौरान हुई इंजरी को भी ठीक करती है। साथ ही ये खिलाड़ी को परफॉर्मेंस को भी बेहतर करने में मदद करती है। बॉडी में लचीलापन बढ़ाने से लेकर ये मसाज मसल्स की स्टिफनेस को भी खत्म करती है।

मानसून में घूमने जा रहे हैं तो आपके काम की 10 बातें

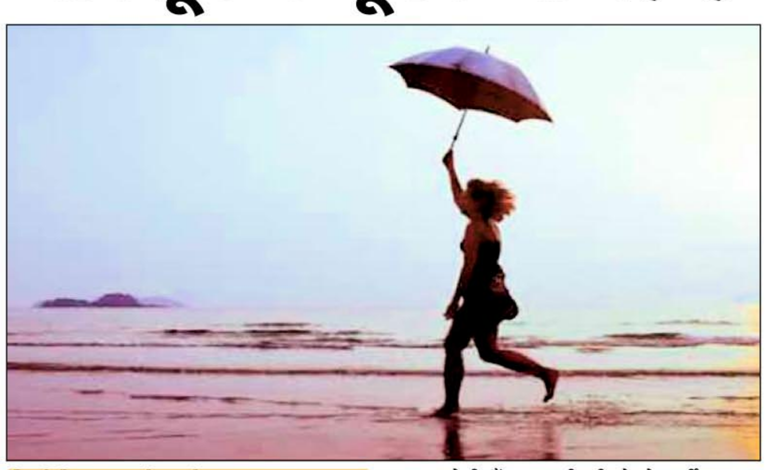

सिंथेटिक कपड़े रखें ज्यादा

सिंथेटिक कपड़े आसानी से सूख जाते हैं और प्रेस किए बिना भी कैरी किए जा सकते हैं। इसलिए मानसून में सफर पर जाते समय ज्यादा से ज्यादा ऐसे कपड़े ही पैक करें।

दवायें रखें साथ

इस मौसम में पेट और स्किन की प्राब्लम्स बहुत होती हैं, साथ ही भीगने से सर्दी जुकाम और बुखार भी होने का खतरा रहता है। ऐसे में जरूरी है कि कि आप सामान के साथ कुछ एंटी सेप्टिक क्रीम और जरूरी दवायें साथ रख लें।

स्ट्रीट फूड खाने से बचें

स्ट्रीट फूड को विशेष तौर पर अवॉइड करें। इससे गैस, अपच और डिहाइड्रेशन जैसी प्राब्लम्स हो सकती हैं। ज्यादा ऑयली खाना खाने से भी बचें। ठंडे और लिक्वेड फूड जूस, तरबूज खाना प्रिफर करें। पानी भी सोच समझ कर पिएं। अगर आप आसपास के इलाके में ही जा रहे हों तो पानी साथ ही लेकर जाए।

वाटर प्रूफ बैग पैक

अपना सामान हमेशा वाटर प्रुफ बैग्स में पैक करें ताकि अगर अचानक बारिश का सामना करना पड़े तो सामान भीगने से बचा रहे। इसके अलावा अतिरिक्त तौलिए और टिशूज रखना ना भूलें।

मौसम के बारे में रखें जानकारी

अपने डेस्टिनेशन पर पहुंच कर घूमने निकलने के पहले मौसम की जानकारी कर लें। इसके लिए वेदर रिपोर्टस और भविष्यवाणियों के बारे में पता रखें।

हेयर ड्रेसर साथ रखें

गीले बाल बीमारी का बहुत बड़ा कारण बन सकते हैं और बारिश में बाल गिरे होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इसलिए बालों को सुखाने के लिए हेयर ड्रेसर साथ रखें।

छाते और बरसाती

सफर पर जाते हुए छाते और बरसाती रखना भी ना भूलें।

इलेक्ट्रानिक और तकनीकी समान की देखभाल

अपने फोन, कैमरा और रिस्ट वॉच जैसे समान का पानी से बचाने के लिए कवर करने की व्यवस्था कर के चलें।

बोर्ड गेम और किताबें

कई बार धूआंदार बारिश आपको अपने होटल रूम से निकलने का मौका नहीं देती ऐसे मौकों के लिए सामान के साथ किताबें और बोर्ड गेम जरूर रख लें ताकि बोरियत ना हो।

जूते चप्पल

बरसात के मौसम में फिसलने का डर रहता है इसलिए अपने फुटवियर ऐसे रखें जो फिसलने से बचाये। लेदर के जूते चप्पलों की बजाय रबड़ और कैनवस के बने फुटवियर लेकर चलें।

रेसिपी

रवा केसरी

सामग्री

- सूजी/रवा- 1 कप
- काजू- 1/3 कप
- घी- 4 बड़ा चम्मच/ द कप
- चीनी- 1 कप
- पानी- 2 कप
- हरी इलायच- 4
- केसर- 12-14 धागे
- दूध 2 बड़ा चम्मच

विधि

हरी इलायची के दाने निकाल कर पीस लें। 2 बड़े चम्मच गुनगुने दूध में केसर को भिगोकर अलग रख लें। एक कड़ाही में 1 छोटा चम्मच घी गरम करें अब इसमें काजू डालें और मध्यम आँच पर काजू के गुलाबी होने तक भूनें। अब काजू को निकालकर अलग रखें। उसी कड़ाही में 2 बड़े चम्मच घी गरम करके सूजी को भी दो से चार मिनट के लिए तेज आँच पर भूनें। सूजी को हल्का बस गुली बोने तक भूनें उसे निकाल कर अलग रख लें। अब चाशनी को लिए उसी कड़ाही में पानी और शक्कर को उबालें। पहले उबाल के बाद आँच को धीमा कर दें और इसमें भुनी हुई सूजी और काजू डालें। इसे अच्छी तरह से 4-5 मिनट तक मिलाएँ और सूजी को तब तक पकाएँ जब तक की यह पूरी तरह से गल जाए और पूरा पानी सोख ले। अब इसमें बाकी बचा 2 बड़े चम्मच घी, और साथ में केसर का दूध डालकर सभी सामग्री को अच्छे से मिलाएँ। पिसी इलायची से सजाकर, गरमागरम परोसें इस स्वादिष्ट हलवे को।

हरे मटर की बर्फी

सामग्री

- पिसी मटर- एक कप दरदरा
- नारियल का बुरादा- आधा कप
- पिसी शक्कर- आधी कप
- दूध की पाउडर- एक चौथाई
- इलाइची का पाउडर- आधी छोटी चम्मच
- घी- एक बड़ा चम्मच
- बादाम के टुकड़े - एक बड़ा चम्मच
- घी बर्तन में लगाने के लिए- एक छोटी चम्मच

विधि

नॉन स्टिक कड़ाही में घी डाल कर गर्म कर लें । उसके बाद इसमें पिसी मटर डाल कर सुनहरा होने तक भूनें। पिसी शक्कर, दूध का पाउडर, इलायची पाउडर, नारियल का बुरादा डाल कर सूखने तक भूनें। एक समतल थाली में घी लगाकर उसे पहले चिकना कर लें। अब इसमें सारा मिश्रण डालकर बराबर से फैला दें। उपर से बादाम के टुकड़े डाल के दबा दें, जिससे वह बर्फी में चिपक जाए। अब इसे पूरी तरह से ठंडा होने पर मनचाहे आकार में काट लें और परोसें।

किचन की बदबू को दूर करें ये घरेलू उपाय

किचन में खाना बनाने के कुछ समय बाद बदबू आने लगती है। ऐसे में जी मचलाने लगता है। कई बार घर पर आए मेहमानें को भी इससे परेशानी होती है। इससे घर का वातावरण भी कुछ समय के लिए खराब हो जाता है। आज हम आपको किचन की बदबू दूर करने के कुछ टिप्स बताएगें।

1. **नींबू पानी :** अगर घर में किसी भी जगह से बदबू आती है तो वहां नींबू पानी से भरी कटोरी रख दें।
2. **सिरका :** किचन की सेल्फ को साफ करते समय कुछ बूंद सिरके की डाल लें। इससे इस्तेमाल से किचन की बदबू दूर भाग जाती है।
3. **संतरे के छिलके का पानी :** बर्तन में 1 कप पानी उबालने के लिए रख दें। फिर उसमें संतरे के छिलके और दालचीनी मिक्स करें। इससे बजबू खतम हो जाएगी।
4. **बेकिंग सोडा :** इसे आप खाना बनाने वाली जगह पर छिड़क दें। इससे जलने की बदबू नहीं आएगी।
5. **शूगर सोप :** सी फूड बनाने के हबाद किचन और हाथों से बदबू आने लगती है। इसकी बदबू दूर करने के लिए शूगर सोप से हाथ धो लें।
6. **टोस्ट :** रसोई में अक टेस्ट खुला रख दें। इससे दुर्गंध चली जाएगी।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**